वर्ष-15, अंक-83
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

संसार में ऐसे लोग थोड़े ही होते हैं, जो कठोर किंतु हित की बात कहने वाले होते है

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार, 28 जून 2024

सिंगल कॉलम

शेयर बाजार की छलांग जारी...सेंसेक्स 79000 पार कर नए हाई पर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार की नई ऊंचाइयों पर पहुंचने का सिलसिला हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन भी जारी रहा। शुरूआती उतार-चढाव के बाद गुरुवार को भी प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी लय में लौटे और फिर नए सर्वोच्च शिखर पर पहुंच गए। रिलायंस और आईटी शेयरों में मजबूती के कारण बाजार को मजबूती मिली। सेंसेक्स गुरुवार को आखिरकार 568.93 (0.72%) अंकों की बढ़त के साथ पहली बार 79,243.18 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 175.71 (0.74%) अंकों की बढ़त के साथ 24,044.50 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 50 ने 1000 अंकों की बढ़त के लिए यानी 23000 अंकों से 24000 अंकों को तक पहुंचने में महज 23 करोबारी सेशन लिए हैं। यह 1000 अंकों की बढ़त के लिए निफ्टी की ओर से लिया गया दूसरा सबसे कम समय है। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी बैंक, एफएमसीजी, मेटल्स और फार्मा सेक्टर के शेयरों में तेजी दिखी। निफ्टी बैंक, जो बुधवार को टॉप गेनर रहा था वह गुरुवार को कमजोर पड़ गया और 59.20 अंकों या 0.11त्न की गिरावट के साथ 52,811.30 के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरूआती कमजोरी के बावजूद निफ्टी का रुख खरीदारों के पक्ष में बना रहा। 35 शेयर हरे निशान पर बंद हुए, जबकि 15 शेयर घाटे के साथ बंद हुए। क्लोजिंग के समय अल्ट्राटेक सीमेंट, एलटीआई माइंडट्री, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी और विप्रो के शेयर टॉप गेनर्स रहे। वहीं, लार्सन एंड टुब्रो, श्रीराम फाइनेंस, आयशर मोटर्स, दिविज लेबोरेटरीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर टॉप लूजर्स शेयरों में शामिल रहे।

अमरवाड़ा में 9 प्रत्याशी मैदान में, 7 ने नाम वापस लिए,10 जुलाई को होगी वोटिंग

भोपाल। मध्यप्रदेश की अमरवाड़ा सीट पर उपचुनाव में सात अभ्यर्थियों ने बुधवार को नामांकन वापसी की अंतिम तारीख को नाम वापस ले लिए। अब 9 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया है कि अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के उप-निर्वाचन में अब 9 अभ्यर्थी अंतिम रूप से चुनाव मैदान में रह गये हैं। अमरवाड़ा में बुधवार, 10 जुलाई को मतदान होगा। मतगणना शनिवार, 13 जुलाई को होगी। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं की सुविधा के लिये मतदान दिवस (10 जुलाई बुधवार) को सार्वजनिक तथा सामान्य अवकाश रहेगा। राज्य शासन ने अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में मतदान के दिन निगोशिएबल इन्स्ट्रू मेंट्स एक्ट की धारा 25 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सार्वजनिक अवकाश तथा सामान्य अवकाश घोषित कर दिया है।

वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को एम्स से मिली छुट्टी

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को एम्स नई दिल्ली से छुट्टी मिल गई है। दिल्ली एम्स के प्राइवेट वार्ड से लालकृष्ण आडवाणी अपने सरकारी आवास के लिए रवाना हो गए हैं। डॉक्टर ने उन्हें फॉलोअप में आने के लिए सलाह दी है। बुधवार को उनकी तबीयत बिगड़ गई। 96 वर्षीय आडवाणी को बुधवार देर रात दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया। उन्हें एम्स के जिरियाट्रिक डिपार्टमेंट के डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया था। जानकारी के मुताबिक, बुधवार रात करीब साढ़े दस बजे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उन्हें भर्ती कराया गया। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को उम्र संबंधी परेशानियों के चलते अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। वह 2014 के बाद से ही सक्रिय राजनीति से दूर हैं। हाल ही में उनकी तस्वीर सामने आई थी, जब एनडीए संसदीय दल के नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनसे मिलने उनके घर गए थे और उनका आशीर्वाद लिया था। पाकिस्तान के कराची में 8 नवंबर, 1927 को एक हिंदू सिंधी परिवार में जन्मे आडवाणी को भारत सरकार ने इसी साल देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा है। 2015 नें उन्हें भारत के दूसरे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

सीएए के तहत एक बांग्लादेशी, दो पाकिस्तानी हुए 'भारतीय'

सीएम डॉ. मोहन यादव ने मप्र के पहले तीन आवेदकों को प्रदान किया नागरिकता का प्रमाण पत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश के प्रथम तीन आवेदकों को गुरुवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र सौंपे। इसमें समीर सेलवानी और संजना अपने पिता के साथ पाकिस्तान से 2012 में भारत आए थे। तीसरी आवेदक राखी दास बांग्लादश से भारत आई थीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सीएए से हमारे परिवार के लोग हमारे पास आ रहे हैं। ये अपने धर्म को बचाने के लिए अपने मूल देश में आ रहे हैं। अगर वहां ये धर्म बदल लेते तो वहीं रह सकते थे। डॉ. यादव ने कहा

कि पीएम नरेंद्र मोदी ने बड़ा काम किया। मध्यप्रदेश में जो भी आएगा उन सभी का स्वागत करेंगे। मध्य प्रदेश शासन द्वारा इनकी जो जरूरतें होंगी, उसमें शासन पूरी मदद करेगा।

हम सभी की रक्षा और चिंता करेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकता संबंधी कठिनाई का निराकरण कर, एक ऐसा रिश्ता पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया, जो अखंड भारत की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि 1947 के पहले तत्कालीन सरकार ने जो निर्णय किया गया था कि हम अपने देश में सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा और उनकी चिंता करेंगे। सीएम यादव ने कहा कि सीएए से हमारे परिवार के लोग हमारे पास आ रहे हैं। ये अपने धर्म को बचाने के लिए अपने मूल देश में आ रहे हैं। अगर वहां ये धर्म बदल लेते तो वहीं रह सकते थे।

ये अखंड भारत का हिस्सा थे

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस भरोसे से हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई, पारसी भारत के पूर्व हिस्से बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में रह गए थे। काल के प्रवाह में उनको भारत में आने से मना कर दिया गया। उन पर प्रतिबंध लगा दिया गया और इन्हें विदेशी माना गया। जबकि ये मूल रूप से विदेशी नहीं थे। ये उस अखंड भारत के हिस्सा थे। ये सिर्फ तत्कालीन सरकार के भरोसे से वहां गए थे। बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सरकारें उनको सुरक्षा उपलब्ध नहीं करा पा रही थी।

आईजीआई एयरपोर्ट पर सुबह सुबह बड़ा हादसा

भारी बारिश से दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 की छत गिरी

सभी उड़ानें रद्द... एक की हुई मौत, छह घायल

दिल्ली राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आज सुबह बड़ा हादसा हो गया। एयरपोर्ट के टर्मिनट-1 पर बारिश की वजह से छत गिरने से वहां मौजूद कई कारें दब गईं। हादसे में छह लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि एक शख्स की मौत हो गई है। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची है। रेस्क्यू का काम शुरू कर दिया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 से सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है और चेक-इन काउंटर बंद कर दिए गए हैं। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू आईजीआई एयरपोर्ट पर पहुंचे हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा पूरी तरीके से जांच के बाद ही कल से टर्मिनल वन को शुरू किया जाएगा। मृतक को 20 लाख और घायलों को तीन लाख रुपये मुआवजे का ऐलान किया गया है। टर्मिनल-1 को पूरी तरह खाली करा दिया गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार सुबह दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा गिरने से छह लोग घायल हो गए। मलबा कई कारों और टैक्सियों के ऊपर गिरा। उन्होंने बताया कि घायल व्यक्तियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने कहा कि छत की शीट के अलावा, सपोर्ट बीम भी ढह गई, जिससे टर्मिनल के पिक-अप और ड्रॉप क्षेत्र में खड़ी कारों को नुकसान पहुंचा। क्षतिग्रस्त वाहनों में कोई और न फंसा हो, ये सुनिश्चित करने के लिए चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा- हादसे पर पूरी नजर

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा, टी1 दिल्ली एयरपोर्ट पर छत गिरने की घटना पर व्यक्तिगत रूप से नजर रख रहा हूं। हादसे पर सबसे पहले रिस्पांस करने वाली टीम घटनास्थल पर काम कर रही है। साथ ही एयरलाइंस को टी1 पर सभी प्रभावित यात्रियों की सहायता करने की सलाह दी गई है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। बचाव कार्य अभी भी जारी है।

दिल्ली एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने कही यह बात

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अधिकारी ने बयान जारी कर कहा, आज सुबह से हो रही भारी बारिश के कारण, दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 के बाहर जाने वाले यात्रियों के लिए बने पुराने शेड का एक हिस्सा सुबह पांच बजे के करीब गिर गया। कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है, और घायलों की मदद के लिए बचाव दल लगा हुआ है। इस घटना के चलते, टर्मिनल 1 से सभी उड़ानें फिलहाल के लिए रोक दी गई हैं, और यात्रियों के चेक-इन काउंटर भी सुरक्षा कारणों से बंद कर दिए गए हैं। हम इस परेशानी के लिए माफी मांगते हैं और किसी भी असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हैं। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अनुसार, टर्मिनल 3 और टर्मिनल 2 से प्रस्थान करने वाली और आने वाली सभी उड़ानें पूरी तरह से चालू हैं। टर्मिनल 1 आगमन पर उड़ानें भी संचालित हो रही हैं। हालाँकि, टर्मिनल 1 से प्रस्थान करने वाली उड़ानें आज दोपहर 2 बजे तक रद्द कर दी गई हैं। आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस उपायुक्त ऊषा रंगनानी ने बताया कि सुबह करीब 5 बजे भारी बारिश के कारण आईजीआईए (घरेलू एयरपोर्ट) के टर्मिनल 1 के बाहर प्रस्थान द्वार संख्या 1 से लेकर द्वार संख्या 2 तक फैला शेड गिर गया, जिससे करीब 4 वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और करीब 6 लोग घायल हो गए। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। सभी घायलों की हालत स्थिर है। दिल्ली पुलिस, अग्निशमन सेवा, सीआईएसएफ और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं। कानूनी कार्रवाई की जा रही है

दिल्ली में नीट पर बवालः युवा कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

पुलिस ने लाठी-डंडों से पीटा... एनटीए के दफ्तर में भी एनएसयूआई का प्रदर्शन

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक को लेकर एक तरफ जांच एजेंसी अपनी जांच को तेजी से आगे बढ़ा रही है तो दूसरी तरफ इस नीट पेपर लीक कांड को लेकर प्रदर्शन भी हो रहे हैं। दिल्ली में गुरुवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के खिलाफ जमकर प्रदर्शन हुआ। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रदर्शनकारी दिल्ली के ओखला में स्थित एनटीए के दफ्तर में घुस गए। एक वीडियो सामने आया है जिसमें नजर आ रहा है कि एनएसयूआई के कार्यकर्ता दौड़कर दफ्तर के अंदर घुस रहे हैं। इस दौरान वो एनटीए के खिलाफ नारेबाजी भी कर रहे हैं। नाराज एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने एनटीए के दफ्तर में ताला भी जड़ दिया। ये प्रदर्शनकारी एनटीए को बंद करो के नारे भी बुलंद कर रहे थे। इनके हाथों में पोस्टर-बैनर भी नजर आ रहे थे। ये सभी कार्यकर्ता लगातार नारेबाजी कर रहे थे और एनटीए पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ का आरोप लगा रहे थे। बता दें कि एनटीए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विवादों में घिरी है। हाल में आयोजित नीट-यूजी और यूजीसी-नेट को लेकर विवादों का सामना करने वाली एजेंसी के महानिदेशक को पिछले हफ्ते हटा दिया गया था और एक उच्चस्तरीय समिति इसके कामकाज की समीक्षा कर रही है।

संसद घेरने का प्रयास, पुलिस ने किया लाठीचार्ज युवा कांग्रेस ने नीट-यूजी परीक्षा में धांधली के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जिसमें कई नवनिर्वाचित सांसदों तथा पार्टी के अन्य पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता वरुण पांडे ने बताया कि संगठन के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के नेतृत्व में जंतर मंतर से संसद का घेराव के लिए एकत्रित हुए कार्यकर्ता जब संसद की तरफ बढ़ने लगे तो दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोका लेकिन उत्साहित कार्यकर्ता आगे बढ़ने का प्रयास करने लगे तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। उन्होंने बताया कि इस दौरान कई युवा घायल हुए हैं। पुलिस लगातार डंडे मारती रही जिसमें कई युवाओं को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने बाद में कई युवाओं को हिरासत में लिया जिन्हें बाद में छोड दिया गया।

24 लाख छात्रों के भविष्य का सवाल युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि नीट-यूजी परीक्षा धांधली ने 24 लाख युवा छात्रों के भविष्य को अंधेरे में धकेल दिया है जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति है। नीट परीक्षा में घोटाला सिर्फ 24 लाख छात्रों के साथ धोखा नहीं बल्कि देश की मेडिकल व्यवस्था और देश के भविष्य के साथ धोखा है। आज देश में ऐसी कोई परीक्षा नहीं है, जिसमें धांधली न हो। श्रीनिवास ने कहा, यह हैरानी की बात है कि नीट परीक्षा में पेपर लीक और रिजल्ट में धांधली पर सरकार चुप है। इस मामले में एनटीए शक के घेरे में है क्योंकि पेपर लीक की बात सामने आई थी। फिर परीक्षा में जो अंक बच्चों ने हासिल किए हैं वह वह संभव नहीं है। यही नहीं नीट का रिजल्ट भी जल्दबाजी में और समय से पहले ही रिलीज कर दिया गया। यह सब मुद्दे एनटीए पर सवाल खड़े करते हैं।

सीबीआई ने पहली बार किया दो लोगों को गिरफ्तार सीबीआई ने नीट पेपर लीक होने के मामले में पहली बार दो गिरफ्तारियां की हैं। पटना से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि मनीष कुमार और आशुतोष कुमार ने परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों को सुरक्षित परिसर कथित तौर पर मुहैया कराए जहां उन्हें लीक हुए क्वेश्चन पेपर तथा आंसर सीट दी गईं।

अब वंदे भारत और गतिमान एक्सप्रेस की स्पीड होने जा रही कम

नई दिल्ली। देश में वंदे भारत और गतिमान एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनें अपनी तेज रफ्तार के लिए पहचानी जाती हैं। लेकिन अब रेलवे इन ट्रेनों की स्पीड कम करने के बारे में विचार कर रहा है। हाल ही में उत्तर मध्य रेलवे ने कुछ ट्रेनों की स्पीड को कम करने की गुजारिश की है। दरअसल, पश्चिम बंगाल के कंजनजंगा में हुई ट्रेन दुर्घटना के बाद सुरक्षित ट्रेन परिचालन को लेकर रेलवे की चिंता बढ़ गई है। इस हादसे में 10 लोगों की जान चली गई थी। जबकि 40 लोग घायल हुए थे। इसके बाद रेलवे ने ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कई रूटों पर कवच सिस्टम लगाने का काम तेजी से कर दिया है। रेलवे के द्वारा सभी रूट और ट्रेनों को स्वदेशी टक्कर रोधी उपकरण कवच से लैस करने के काम में तेजी लाई जा रही है। इसलिए सुरक्षा कवच मिलने तक तेज गति से चलने वाली ट्रेनों की गति कम की जा रही है।

रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेजा गया

कंचनजंगा एक्सप्रेस हादसे के कुछ दिन

बाद ही रेलवे बोर्ड को एक प्रस्ताव भेजा गया है। इस प्रस्ताव में प्रीमियम ट्रेनों की रफ्तार 160 किलोमीटर प्रति घंटा से घटा कर 130 किलोमीटर प्रति घंटा की जाने की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार, उत्तर मध्य रेलवे ने रेलवे बोर्ड को कुछ वंदे भारत एक्सप्रेस और गतिमान एक्सप्रेस ट्रेनों की गति को 160 किलोमीटर प्रति घंटा से घटा कर 130 किलोमीटर प्रति घंटा करने की गुजारिश की है। इन ट्रेनों की रफ्तार कम करने का सुझाव उत्तर केंद्रीय रेलवे ने रेलवे बोर्ड को पत्र लिखा है। इसमें ट्रेन नंबर 12050/12049 दिल्ली-झांसी-दिल्ली गतिमान एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 22470/22469 दिल्ली-खजुराहो-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 20172/20171 दिल्ली-रानी कमलापति-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस और ट्रेन नंबर 12002/12001 दिल्ली-रानी कमलापति-दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस की रफ्तार कम कराने का सुझाव दिया गया है। इस रूट पर कवच नेटवर्क तैयार करने का काम चल रहा है।

30 किलोमीटर प्रति घंटा कम हो जाएगी रफ्तार रेलवे बोर्ड अगर इस सुझाव का मान लेता है, तो वंदे एक्सप्रेस, गतिमान एक्सप्रेस और शताब्दी एक्सप्रेस की गति 30 किलोमीटर प्रति घंटा कम हो जाएगी। ऐसे में इनको अपना सफर तय करने में 25 से 30 मिनट का ज्यादा समय लगेगा। इन बदलावों की वजह से कम से कम 10 प्रीमियम ट्रेनों की टाइमिंग भी बदलनी पड़ेगी। वर्ष 2016 में गतिमान एक्सप्रेस को चलाने के लिए नई दिल्ली से आगरा रेलखंड की गति क्षमता 150 किलोमीटर से बढ़ाकर 160 किलोमीटर की गई थी।

कांग्रेस ने उठाया संसद टीवी पर सवाल

टीवी पर 73 बार मोदी और 6 बार राहुल गांधी पर कैमरा

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दोनों सदनों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने 5 सालों के लिए नई सरकार के रोडमैप की रूपरेखा सामने रखी। राष्ट्रपति के अभिभाषण के खत्म होने के बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। विपक्षी नेताओं ने परियोजनाओं के इस रोड मैप को सरकार की झूठ पर आधारित पटकथा बताया है। इसके साथ ही कांग्रेस ने एक बड़ा दावा भी किया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए दावा किया कि जब राष्ट्रपति मुर्मू अभिभाषण दे रही थी तो उस वक्त संसद टीवी पर पीएम मोदी को अधिक और राहुल गांधी को कम बार दिखाया गया। जय राम रमेश ने पोस्ट में लिखा-51 मिनट के राष्ट्रपति के संबोधन में किसको कितनी बार दिखाया गया? नेता सदन नरेंद्र मोदी को 73 बार, प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी को 6 बार दिखाया गया।

सिंगल कॉलम

अक्टूबर के बाद एडमिशन कैंसिल करवाने पर नहीं लौटाई जाएगी फीस

इंदौर। 2024-25 सत्र को लेकर शैक्षणिक संस्थानों में स्नातक-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। इस बीच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने फीस लौटाने को लेकर दिशा निर्देश जारी किए है, जिसमें 30 सितंबर तक विद्यार्थियों का प्रवेश निरस्त होने पर पूरी फीस लौटाई जाएगी। महज एक हजार रुपये प्रोसेसिंग फीस देना होगा। मगर 31 अक्टूबर बाद प्रवेश नहीं लेने पर विद्यार्थियों को फीस नहीं लौटाई जाएगी। इस संबंध में यूजीसी ने कुछ गाइडलाइन बनाई है। मामले में उच्च शिक्षा विभाग ने कालेजों को निर्देश दिए है और 30 सितंबर से 31 अक्टूबर के बीच प्रवेश निरस्त प्रक्रिया पूरी करना है। दरअसल जून से लेकर सितंबर के बीच देशभर में प्रवेश प्रक्रिया चलती है। कई बार काउंसिलिंग समय पर नहीं होने की वजह विद्यार्थी साल बचाने के लिए किसी भी संस्थान व पाठ्यक्रम में दाखिला लेते है। मगर बाद में पसंदीदा पाठ्यक्रम व संस्थान मिलने पर छात्र-छात्राएं पूर्व में प्रवेश ले चुके संस्थान को छोड़ना चाहते है, लेकिन फीस भरने के चलते वह ऐसा नहीं कर पाते है। इस समस्या से निपटने के लिए यूजीसी ने फीस रिफंड को लेकर गाइडलाइन बनाई है। ताकि विद्यार्थी आसानी प्रवेश निरस्त करवा सके। 30 सितंबर तक प्रवेश निरस्त करने पर पूरी फीस संस्थान को देना है। जबकि 30 सितंबर के बाद प्रवेश निरस्त करने पर कुछ प्रतिशत की राशि काटी जाएगी। 30 सितंबर से 15 अक्टूबर के बीच प्रवेश निरस्त करवाने पर 90 फीसद, 15 से 22 अक्टूबर के बीच सूचना देने पर 80 फीसद और 22 से 29 अक्टूबर तक 50 फीसद तक फीस की राशि काटी जाएगी। 31 अक्टूबर के बाद प्रवेश नहीं लेने पर फीस देने का विचार संस्थान अपने स्तर पर कर सकता है।

आसानी हो सकेंगे रणजीत सरकार के दर्शन

इंदौर। इंदौर में प्रसिद्ध रणजीत हनुमानजी के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। रणजीत अष्टमी, हनुमान जयंती और अन्य प्रमुख तीज-त्योहारों पर तो इतनी भीड़ उमड़ती है कि कई बार मुश्किल से भक्त भगवान के दर्शन कर पाते हैं, लेकिन अब कितनी भी भीड़ उमड़े, सभी को आसानी से दर्शन हो सकेंगे। इसके लिए तिरुपति बालाजी और बेलूर के गोल्डन टेंपल की तर्ज पर दर्शन की नई व्यवस्था की जा रही है। मंदिर में उमड़ने वाली भक्तों की भीड़ को देखते हुए एक पाथ-वे का प्लान बनाया गया है, जिसकी डिजाइन भी बना ली गई है। मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार, यह पाथ-वे मंदिर की बड़ी पार्किंग से शुरू होगा। यहां से भक्त मंदिर के फ्रंट गेट के सामने से होते हुए छोटी पार्किंग में जाएंगे। वहां रेलिंग से होते हुए वे मंदिर में एंट्री करेंगे। दर्शन के बाद बड़ी पार्किंग से होते हुए बाहर होंगे। प्रबंध समिति के अनुसार, तिरुपति बालाजी और वेल्लोर के गोल्डन टेंपल की तर्ज पर भक्तों के लिए दर्शन व्यवस्था कर रहे हैं। प्रयोग के तौर पर मंदिर में हर मंगलवार को आने वाले 50 हजार से ज्यादा भक्तों के लिए व्यवस्था में कुछ बदलाव भी किए गए हैं। इस पाथ-वे के बनाने से दो फायदे होंगे, एक तो कितनी भी भीड़ हो भक्तों को आसानी से दर्शन होंगे। दूसरा मंदिर के बाहर की नई बाउंड्री वॉल गेट का सौंदर्यीकरण भी हो जाएगा। बाहरी हिस्से पर रामायण के प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। पाथ-वे कवर्ड होने से धूप, बारिश में भी सुविधा होगी। रणजीत हनुमान मंदिर के प्रशासक विनोद राठौर ने बताया कि पाथ-वे प्लान की डिजाइन तैयार हो चुकी है। डीपीआर बना रहे हैं। कलेक्टर की अनुमति मिलते ही इसका काम शुरू किया जाएगा।

व्यापारी को बदमाशों ने पैर में गोली मारी

इंदौर। इंदौर के मल्हारगंज इलाके के अंतिम चौराहे पर गणेश मतनकर नाम के व्यापारी को बदमाशों ने गोली मार दी। गोली उसके पैर में लगी है। उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना गुरुवार सुबह 7.30 बजे की है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक गणेश अपने दोस्त के साथ महाकाल दर्शन के लिये कार से निकला था। दोनों अंतिम चौराहे पर पहुंचे तो पीछे से अन्य कार आई जो गणेश की कार के आगे आकर रूकी गणेश कार से उतरा तो दूसरे कार सवार ने फायर किया। गोली उसके पैर में लगी। उपचार के लिये उसे अस्पताल भेजा गया। गणेश महाराष्ट्र के पुने रहने वाला है। उसके साथ दो और लोग भी थे। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। गणेश को गोली मारने वाली कार का नंबर पुलिस को मिल गया है। उसकी नंबर के आधार पर तलाश की जा रही है।

इंदौर में बारिश का जून का कोटा पूरा होने में अभी तीन इंच की जरूरत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में मानसून की एंट्री हो के बाद बारिश का दौर जारी है। गुरुवार देर रात कुछ क्षेत्रों में बूंदाबांदी तो कई हिस्सों में हल्की बारिश शुरू हो गई। फिर रुक-रुककर होने का क्रम चलता रहा। इसके पूर्व सुबह से मौसम बदला था। गुरुवार को दिन का तापमान 35.5 (+2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों ने अभी एक-दो दिन बारिश के आसार जताए हैं। मंगलवार को दिन का तापमान 34.2 (+1) डिग्री और रात का तापमान 25.5 (+2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। बुधवार को दिन में मौसम साफ रहा। इस दौरान तापमान 1 डिग्री उछलकर 35.6 (+1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। फिर शाम को कुछ हिस्सों में मामूली बारिश हुई और फिर मौसम साफ हो गया।

दरअसल अभी प्रदेश के कई जिलों में भी मौसम बदला रहेगा। यहां आंधी और गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। ऐसा वेस्टर्न डिस्टरबेंस, साइक्लोनिक सकुर्लेशन और ट्रफ लाइन की वजह से होगा। सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंदन ने बताया कि साइक्लोनिक सकुर्लेशन, ट्रफ लाइन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से बारिश, आंधी और गरज-चमक की स्थिति बनी हुई है। इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश के आसार हैं। इंदौर में इस सीजन में 3 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। इंदौर में जून का कोटा 6 इंच का है और अभी माह के तीन दिन बचे हैं।

मानसून ने पूरे मप्र को किया कवर

मध्यप्रदेश में अब मानसून ने पूरे प्रदेश को कवर कर लिया है। गुरुवार को भोपाल, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर समेत कई जिलों में तेज बारिश हुई। खजुराहो में सबसे ज्यादा 1.7 इंच पानी गिरा। धार और नौगांव में 1 इंच से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा छिंदवाड़ा, सतना, नर्मदापुरम, पचमढ़ी, रायसेन, बड़वानी, खरगोन और रतलाम में भी पानी गिरा। भोपाल में एक घंटे में आधा इंच बारिश भोपाल में गुरुवार शाम को तेज पानी गिरा। करीब एक घंटे में आधा इंच बारिश हुई। इस दौरान शहर के कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया। इससे पहले सुबह मिला-जुला मौसम रहा। कभी बूंदाबांदी हुई तो कभी लोग उमस से परेशान होते नजर आए। शाम को बारिश के बाद इससे राहत मिली।

बिजली गिरने से चार की मौत

प्रदेश में आकाशीय बिजली गिरने से अलग-अलग जगह चार लोगों की मौत हो गई। निवाड़ी और विदिशा में तीन लोगों की मौत हुई। वहीं बड़वानी में भी एक युवक की जान चली गई। गुरुवार को ग्वालियर समेत 6 जिलों में भी मानसून की एंट्री हो गई। मौसम विभाग ने इसकी घोषणा की। ग्वालियर, श्योपुरकलां, भिंड, मुरैना, दतिया और निवाड़ी जिलों में मानसून आने के साथ अब प्रदेश के सभी क्षेत्रों में (सीधी और सिंगरौली के उत्तरी हिस्सों को छोड़कर) मानसून एक्टिव हो गया है।

मौसम विभाग का अलर्ट

मध्यप्रदेश में अगले 24 घंटे के मौसम को लेकर अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें बताया गया है कि दमोह, गुना, राजगढ़, जबलपुर के भेड़ाघाट में बिजली के साथ मध्यम से तीव्र वर्षा होने की संभावना है। साथ ही धार, मांडू, इंदौर, आंध्र प्रदेश, उज्जैन, महाकालेश्वर, बैतूल, सीहोर, आगर मालवा, अशोकनगर, उत्तर विदिशा, श्योपुर कलां, पन्ना छतरपुर, खजुराहो, बालाघाट, सिवनी, शाजापुर, सतना, चित्रकूट, कटनी, मैहर, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, धोलावाड़, उत्तर भोपाल में बिजली के साथ मध्यम से तीव्र वर्षा जारी रहने की संभावना है। वहीं, देवास, मंडला, दक्षिण भोपाल, बैरागढ़, नीमच, ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, मंदसौर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, दक्षिण विदिशा, रायसेन, हरदा, नर्मदापुरम पचमढ़ी, बैतूल, सागर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, निवाड़ी, टीकमगढ़, उमरिया, मंडला और सिंगरौली रात्रि में।

महाराष्ट्र के व्यापारी को इंदौर में बदमाशों ने मारी गोली घटना सीसीटीवी में हुई कैद

प्रदीप चौधरी सिटी चीफ

इंदौर। इंदौर के मल्हारगंज थाना क्षेत्र के अंतिम चौराहे पर गुरुवार सुबह महाराष्ट्र के एक व्यापारी को पैर में गोली मार दी, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, घटना सीसीटीवी में हुई कैद इंदौर के मल्हारगंज थाना क्षेत्र के अंतिम चौराहे पर एक गणेश मतनकर नामक व्यापारी को गोली मारने का मामला सामने आया है। जिसमें बताया जा रहा है कि घायल व्यापारी मूल रूप से महाराष्ट्र के पुणे का रहने वाला है। जो महाकाल दर्शन के लिए अपने दोस्तों के साथ कार में सवार होकर जा रहा था। तभी अचानक एक दूसरी कार से आए आरोपियों के द्वारा उसे गोली मार दी गई, जो उसके पैर में लगी है। वहीं घायल व्यापारी गणेश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वही इस घटना के सीसीटीवी की फुटेज भी सामने आए हैं। वही कार नंबर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा की लगभग सभी सीटें 13 जुलाई तक फुल

इंदौर। मध्य प्रदेश में पर्यटन विभाग द्वारा पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा शुरू की गई है। इंदौर में इस सेवा का शुभारंभ 16 जून से किया गया। एक माह तक बुकिंग करवाने वालों को किराये में 50 प्रतिशत छूट का प्रविधान किया गया है, लेकिन 13 जुलाई के बाद की बुकिंग वेबसाइट पर नहीं हो रही है। 13 जुलाई तक इंदौर से उज्जैन की सभी सीटें फुल हो चुकी हैं, जबकि इंदौर से भोपाल के लिए सिर्फ चार दिन ही ऐसे हैं, जिनमें कुछ सीटें खाली हैं। प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख शहरों के बीच शुरू की गई पीएमश्री वायु सेवा की उज्जैन की सभी सीटें बुक हो चुकी हैं। उज्जैन का किराया सबसे कम है, इस वजह से यहां की सभी सीटें फुल हो चुकी हैं। फ्लाईओला की वेबसाइट पर 13 जुलाई तक ही बुकिंग दिख रही है। इस वजह से आमजन आगे की बुकिंग कराकर 50 प्रतिशत छूट का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। हालांकि फ्लाईओला वेबसाइट पर सात जुलाई के बाद आगे की बुकिंग शुरू करने की जानकारी भी दी जा रही है। जबकि 15 जुलाई तक ही 50 प्रतिशत छूट का लाभ यात्रियों को मिलेगा। यदि सात तारीख बाद आगे की बुकिंग खोली जाती है, तो कई लोग छूट का फायदा नहीं ले पाएंगे।

विमान में सिर्फ छह सीटें

पीएमश्री वायु सेवा में उपयोग होने वाले विमान में सिर्फ छह सीट उपलब्ध हैं। वहीं इंदौर से सप्ताह में चार दिन सोमवार, मंगलवार, बुधवार और रविवार को ही बुकिंग हो रही है। सीटों की संख्या सीमित होने से अधिक लोग बुकिंग नहीं करवा पा रहे हैं। उज्जैन के लिए 13 जुलाई तक किसी भी दिन सीट उपलब्ध नहीं है। जबलपुर के लिए किसी ने सीटें बुक नहीं कराई। किराया अधिक होने और इंदौर से जबलपुर की नियमित उड़ान होने से लोग बुकिंग नहीं करवा रहे हैं।

इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में 30 लोगों की हुई घर वापसी, मुस्लिम धर्म छोड़कर अपनाया हिंदू धर्म

सिटी चीफ इंदौर।

शहर में 30 लोगों ने धर्मांतरण कर घर वापसी की। आयोजन स्थानीय खजराना गणेश मंदिर में हुआ। इसके लिए विधि-विधान से खजराना गणेश मंदिर में पूजन -पाठ और हवन किया गया। धर्मांतरण के बाद 58 वर्षीय जमीन बी जमना बाई, 34 वर्षीय नीलोफर शेख

निकिता, 34 वर्षीय अक्षा शेख आकांक्षा और रज्जाक अब रोहित के नाम से पहचाना जाएगा। जानकारी के अनुसार कानूनन धर्मांतरण के लिए इन लोगों ने इंदौर कलेक्टोरेट में आवेदन भी दिया था। इसके बाद यह आयोजन किया गया। विश्व हिंदू परिषद मालवा प्रांत के प्रमुख संतोष शर्मा ने कहा कि धर्मांतरण कर रहे सभी लोगों की घर वापसी हो रही है। मुस्लिम धर्म छोड़ इन्होंने हिंदू धर्म अपनाया है।

घर में ही भगवान के सामने नाबालिगों ने रचाया विवाह

दो परिवारों के सात लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज

सिटी चीफ इंदौर।

आपस में प्यार के बाद नाबालिग किशोरी और युवा ने मिलकर भगवान के सामने शादी भी रचा ली। किशोरी ससुराल में रहने भी लगी, लेकिन किशोरी की मां ने बेटी के भविष्य को ध्यान रखते हुए लाडो अभियान कोर ग्रुप को पूरे मामले की हकीकत बता दी। इसके बाद ग्रुप ने जांच कर दोनों परिवारों के सात लोगों के खिलाफ तेजाजी नगर थाने में प्रकरण दर्ज कराया गया है। जानकारी के अनुसार घर के पास ही रहने वाले एक युवक के प्रेम के चक्कर में पड़ी नाबालिग किशोरी के माता-पिता ने बेटी के भविष्य को देखते हुए सगाई किसी अन्य से करना तय कर लिया। पिता के निर्णय से नाराज बेटी घर छोड़कर निकल गई। पुलिस तेजाजी नगर ने मां द्वारा की गई बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट पर उसे खोजकर माता-पिता के हवाले कर दिया। इसके बाद बेटी की जिद को देखकर पिता ने उसके भविष्य की चिंता ना करते हुए नाबालिग बेटी बेटी को बगैर विवाह किए ही युवक के साथ भेज दिया। युवक ने 16 साल की किशोरी से से विवाह भी रचा लिया। महिला व बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी

रामनिवास बुधौलिया बताया कि नाबालिग बालिका की माता ने चाइल्ड हेल्पलाइन पर शिकायत कर पूरी हकिकत बताई। इसके बाद बाल विवाह विरोधी उड़नदस्ता प्रभारी लाडो अभियान कोर ग्रुप के महेंद्र पाठक को जांच व कार्रवाई के निर्देश दिए।

किशोरी और युवक दोनों ही विवाह योग्य नहीं

पाठक ने बताया कि शिकायत के बाद दोनों पक्षों के परिवार से पूछताछ की। जांच में पता चला कि बालिका की कक्षा नौवीं की अंकसूची में आयु 16 वर्ष और 2 माह है। किशोरी के परिजनों ने कहा कि बेटी को लड़का ले गया है और उससे शादी करने वाला है। इसके बाद कोर ग्रुप सदस्य शैलेष शर्मा और किशोर बाल ईकाई के आरक्षक दीपक परमार के साथ युवक के घर रालामंडल पहुंचे वहां किशोरी मिल गई। युवा की अंक सूची देखी तो उसमें आयु 18 वर्ष 10 माह सामने आई। युवा के परिजनों ने बताया कि उन्होंने दोनों बच्चों की जिद के आगे हार कर घर में ही भगवान के सामने उनका विवाह कर दिया है। पाठक ने बताया कि नाबालिग लड़की ने अपने माता-पिता पर ससुराल पक्ष से लेनदेन करने का आरोप भी लगाया। परिजनों द्वारा दिए गए विवाह के प्रमाण स्वरूप फोटो व आयु के प्रमाण के आधार पर थाना तेजाजी नगर में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार प्रकरण पंजीबद्ध करवाया। इसमें युवा सहित उसके और किशोरी के माता-पिता, विवाह में शामिल होने वाले मां व लड़के के पिता के मित्र सहित सात लोगों के विरुद्ध अधिनियम की धारा 9,10 व 11 में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

हजारों पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को दिया प्रशिक्षण

नए आपराधिक कानून लागू करने को मध्यप्रदेश तैयार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। देश भर में एक जुलाई से न्याय केंद्रित तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू होने जा रहे हैं। इसके क्रियान्वयन के लिए मध्यप्रदेश पुलिस तैयार है। तीनों कानूनों के क्रियान्वयन की तैयारी के संबंध में बुधवार को डीजीपी सुधीर सक्सेना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की। इस दौरान डीजीपी सक्सेना ने कहा कि नए कनूनों की प्रक्रिया पर प्रशिक्षण शाखा द्वारा प्रदेश के 60 हजार से अधिक पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम तथा ऑनलाइन माध्यम से इस प्रशिक्षण को कॉन्टेबल स्तर तक भी पहुंचाया गया। एफएसएल के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण हो चुका है। सीआईडी ने व्यापक एफएक्यू का निर्माण किया है एवं सीसीटीएनएस में तीनों कानून अपलोड किए जा चुके हैं। कुछ टेबल्स बनाई गई है, जिसकी मदद से आसानी से पुराने कानूनों के बदले नए कानूनों को समझा जा सकता है। यह डिटेल टेबल्स कल तक पूरे प्रदेश में हर पुलिसकर्मी के मोबाइल में होना सुनिश्चित करें। हर थाने में पूरा एक्ट उपलब्ध हो तथा विवेचना अधिकारी के पास व्यक्तिगत रूप से भी हो यह सुनिश्चित करें।

डीजीपी सक्सेना ने कहा कि शासन के निदेर्शानुसार इन कानूनों को लेकर व्यापक जन जागरुकता भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि एक जुलाई को प्रदेश के सभी थानों में कार्यक्रम आयोजित कर नागरिकों को नए कानूनों के प्रति जागरुक किया जाए। इन कार्यक्रमों में विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों को कानून के प्रति जागरुक करें। यह सुनिश्चित करें कि कार्यक्रम में महिलाओं एवं बच्चों के अलावा युवा, विद्यार्थी, वरिष्ठ नागरिक, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्थानीय ग्राम एवं नगर रक्षा समिति, शांति समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों को आमंत्रित करें। इस दौरान उनकी जिज्ञासाओं और समस्याओं का समाधान भी करें। इन आयोजनों में एक्सपर्ट को भी बुलाया जा सकता है।

सभी एसपी से की वन टू वन चर्चा

डीजीपी सक्सेना ने एडीजी, आईजी, रेंज डीआईजी एवं समस्त पुलिस अधीक्षकों से नए कानूनों के क्रियान्वयन की तैयारियों के संबंध में वन टू वन चर्चा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि नए कानूनों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार किया जाए। आरक्षक स्तर से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को इन कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी हो। उन्होंने कहा कि नए कानूनों के क्रियान्वयन में मैदानी स्तर पर आगामी दिनों में और भी गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करें। यदि कोई भी शंका या जिज्ञासा हो तो वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त करें।

60 हजार से अधिक पुलिस अधिकारी और कर्मचारी प्रशिक्षित

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में एडीजी ट्रेनिंग सोनाली मिश्रा ने बताया कि नए कानूनों के संबंध में प्रदेश भर में 302 मास्टर ट्रेनर्स द्वारा 60 हजार से अधिक पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। एडीजी सीआईडी पवन श्रीवास्तव ने बीएनएस, बीएनएसएस की परिभाषाओं और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी। एडीजी एससीआरबी चंचल शेखर ने बताया कि नए कानूनों में तकनीक को बहुत महत्व दिया गया है। इससे जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी और पीड़ितों को जल्द न्याय दिलाने में आसानी होगी। उन्होंने बताया कि सीसीटीएनएस में नए कानूनों को अपलोड कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने आईसेजेएस, संकलन एप, साक्ष्य एप, ई-विवेचना एप के बारे में जानकारी दी।

बजट सत्र में कांग्रेस के सभी विधायक उठाएंगे अलग-अलग मुद्दे

भोपाल। मध्यप्रदेश में कांग्रेस को विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस एक बार फिर से संगठन को मजबूत करने में जुटी हुई है। वहीं, कांग्रेस के विधायकों को पार्टी आलाकमान ने निर्देश दिया है कि सभी विधायक एक जुलाई से शुरू होने वाले बजट सत्र में अलग-अलग मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे। इसके लिए सभी विधायकों को पार्टी द्वारा मुद्दे भी बताए जा रहे हैं।

एमपी में बीजेपी जिन प्रमुख वादों को लेकर सत्ता में आई, वह अब भी अधूरे हैं। कांग्रेस का आरोप है कि महिलाओं को 450 रुपये का गैस सिलेंडर, तीन हजार रुपये लाडली बहनों को और किसानों को उनकी फसल का समर्थन मूल्य सरकार नहीं दे रही है। इन मुद्दों को जोर-जोर से सदन में उठाया जाएगा। कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने कहा है कि सरकार की वादाखिलाफी नहीं चलने देंगे। विपक्ष ने सदन में सरकार को घेरने की रणनीति भी तैयार कर ली है। विधायकों को अलग-अलग मुद्दों को प्रभावी रूप से तैयारी के साथ उठाने कहा गया है।

इसलिए कमजोर पड़ रही कांग्रेस

इस विधानसभा में कांग्रेस के सबसे ज्यादा मुद्दे उठाने वाले और कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने वाले वर्तमान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी चुनाव हारने के कारण विधानसभा से बाहर हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा मुद्दे उठाने वाले युवा विधायक कुणाल चौधरी भी इस बार चुनाव हार गए हैं। इसलिए विधानसभा से बाहर हो गए। यही वजह है कि कांग्रेस इस बार विधानसभा में कमजोर दिखाई देती है। नेता प्रतिपक्ष की बात करें तो उमंग सिंघार भी उतने धारदार नजर नहीं आते हैं। पिछले विधानसभा सत्र में कांग्रेस की तरफ से सबसे ज्यादा प्रश्न पूछने वाले विधायक रामनिवास रावत भी कांग्रेस का दामन छोड़कर बीजेपी के साथ चले गए हैं। इसका भी असर इस सत्र में दिखाई देगा।

यह कहा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता ने

मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव की सरकार बनने के बाद एक जुलाई से शुरू होने जा रहा बजट सत्र में कांग्रेस जमकर हंगामा करने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी का कहना है कि प्रदेश में लगातार बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है।

इन पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। नर्सिंग घोटाले पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आई हैं, जिससे सीधे तौर पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। हम यह बात लगातार कर रहे हैं कि भाजपा अपने वचनों को पूरा नहीं कर रही है। गेहूं और धान के एमसपी नहीं बढ़ाई, लाडली बहनों को तीन हजार नहीं दे रहे हैं, 450 में गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा।यह सभी वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। लोकसभा का चुनाव भी हो गया है। आगामी विधानसभा के सत्र में हम लोग जोर-शोर से इन मुद्दों को उठाएंगे।

कांग्रेस ने जनता से मांगी घोटालों की जानकारी

मध्यप्रदेश में एक जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा के बजट सत्र से पहले कांग्रेस काफी आक्रामक दिख रही है। जहां एक तरफ का कांग्रेस के नेता मध्यप्रदेश सरकार को घेरने के लिए सभी विभागों के भ्रष्टाचार की लिस्ट तैयार कर रहे हैं। वहीं, अब नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक अलग पहल करते हुए जनता से प्रदेश के भ्रष्टाचारों की जानकारी मांगी है। उन्होंने अपने सोशल साइट एक्स पर लिखा है कि मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में प्रदेश में चल रहे घोटालों को उजागर करें। घोटाले से संबंधित जानकारी फोटो या अन्य जानकारी भेजें। जानकारी देने वाली की पहचान गुप्त रखी जाएगी। जानकारी मंगाने के लिए नंबर जारी किया है। मध्यप्रदेश परिवहन विभाग के आदेश पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग के आदेश के बाद साफ हो गया कि प्रदेश के चेक पोस्ट पर वसूली हो रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या टोलों पर अवैध वसूली हो रही है। विधानसभा सत्र में घोटालों को कांग्रेस उजागर करेगी। उमंग सिंगार ने ट्वीट कर जनता से घोटाले की जानकारी मांगी है। उन्होंने लिखा की मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में प्रदेश में चल रहे घोटालों को उजागर करें।

अपर परिवहन आयुक्त का जताया आभार

परिवहन विभाग द्वारा जारी आदेश के बाद कांग्रेस के कई नेता सरकार पर सीधा हमला बोल रहे हैं। मामले को लेकर प्रदेश अध्यक्ष के सलाहकार केके मिश्रा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि आभार, अपर परिवहन आयुक्त उमेश जोगा (आईपीएस) आपने यह तो स्वीकार किया कि प्रदेश की परिवहन चौकियों पर व्यापक भ्रष्टाचार है। इस सच्चाई को पूर्व में उजागर करने का दंश मैं अभी तक झेल रहा हूं। खैर कृपा कर इसे भी परिभाषित कर दीजिए कि यहां अवैध रूप से कार्यरत कटर क्या बीमारी है?

जीतू पटवारी की सरकार से मांग

गेहूं और धान के लिए घोषित समर्थन मूल्य के आदेश को तत्काल करें लागू

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस ने किसानों का मुद्दा उठाया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सीएम मोहन यादव को पत्र के माध्यम से बड़ी मांग की है। पटवारी ने पत्र में गेहूं और धान के लिए घोषित समर्थन के आदेश को तत्काल लागू करने की मांग की है। पटवारी का कहना है कि मोहन सरकार बजट में यह भी सुनिश्चित करे कि किसानों को इसके लिए बकाया राशि बोनस के रूप में दी जाए। क्योंकि प्रदेश कि किसानों की इसकी जरूरत है और यह उनका अधिकार है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने पत्र में लिखा है कि मध्यप्रदेश विधानसभा का एक जुलाई से शुरू होने वाले सत्र के लिए बजट की तारीख तय हो गई है। सरकार अपना पहला बजट तीन जुलाई को विधानसभा के पटल पर रखेगी। आपकी जानकारी के लिए मैं फिर से यह बताना चाहता हूं कि भाजपा ने चुनावी घोषणा-पत्र में गेहूं पर 2700 रुपये और धान पर 3100 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य का वादा किया था। कई चुनावी भाषणों में इसे बार-बार दोहराया था।

पूछा कहां है मोदी की गारंटी?

पटवारी ने पूछा है कि 20 साल पुरानी सरकार का वादा और विधानसभा चुनाव में ह्लमोदी की गारंटीह्व अभी भी पूरी नहीं हो पा रही है। आप भी आश्चर्यजनक रूप से चुप हैं, क्यों? मैंने केंद्रीय कृषि मंत्री जी को भी अनुरोध किया था, वही बात फिर दोहरा रहा हूं। मोदी जी ने किसानों की इनकम डबल करने का सार्वजनिक वादा किया था। वही मोदी हैं, जो जानते हैं कि आमदनी डबल नहीं हुई, लेकिन किसानों का खर्च चार गुना बढ़ चुका है।

एमपी में धान और गेहूं का समर्थन मूल्य क्यों नहीं दिया जा रहा है?

पटवारी ने आगे लिखा कि याद रखिएगा, सदन में कांग्रेस के विधायक और सड़कों पर गेहूं और धान उपजाने वाले किसान यह जरूर पूछेंगे कि मध्यप्रदेश में धान और गेहूं का समर्थन मूल्य क्यों नहीं दिया जा रहा है? आपसे आग्रह है कि गेहूं और धान के लिए घोषित समर्थन के आदेश तत्काल लागू करें और इसी बजट में यह भी सुनिश्चित करें कि किसानों को इसके लिए बकाया राशि बोनस के रूप में दी जाए. मध्यप्रदेश के किसानों की यह जरूरत भी है और अधिकार भी।

भोपाल के आजाद मार्केट से हटाया अतिक्रमण, 6 ट्रक सामान जब्त

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के आजाद मार्केट में अतिक्रमण हटाने पहुंचे नगर निगम अमले से कुछ लोगों ने विवाद किया। वे ठेले-गुमटी जब्त नहीं करने की गुहार लगा रहे थे। इसी दौरान गुस्सा हो उठे। हालांकि, पुलिस की फटकार से वे मान भी गए। पुलिस ने आजाद मार्केट और आशाराम तिराहे से 6 ट्रक सामान जब्त किया। दोपहर डेढ़ बजे नगर निगम का अमला पुराने शहर के आजाद मार्केट में अतिक्रमण हटाने पहुंचा। यहां ड्राइफ्रूट्स, मसाले, फल-सब्जी के ठेले सड़क पर ही खड़े थे। वहीं, तंबू गाड़कर अस्थायी दुकानें भी बना रखी थीं। जैसे ही निगम अमला यहां पहुंचा, दुकानदारों में हड़कंप मच गया। मंगलवारा थाने के पास से कार्रवाई शुरू हुई, जो करीब 200 मीटर तक चली। इस दौरान 3 ट्रक सामान जब्त किया गया। इनमें टेंट, ठेले, तखत, ड्राइफ्रूट्स आदि भी शामिल हैं।

ड्राइफ्रूट्स वापस देने की गुहार

कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण प्रभारी महेश गौहर से कई दुकानदार सामान वापस देने की गुहार लगाते रहे। एक दंपत्ति ने कहा कि अमले ने ठेले के साथ ड्राइ फ्रूट्स भी जब्त कर लिए। गौहर ने सामान वापस देने का भरोसा दिलाया। इधर, दो दुकानदारों की अमले से झड़प हो गई। दोनों कुछ समय की मोहलत मांग रहे थे, लेकिन जब कर्मचारी सामान उठाने लगे तो वे अभद्रता करने लगे। पुलिसकर्मियों ने उन्हें फटकार लगा दी। जिससे वे मान गए।

आशाराम तिराहे से भी हटाया अतिक्रमण

अतिक्रमण प्रभारी महेश गौहर ने बताया, आजाद मार्केट से पहले आशाराम तिराहे पर भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। यहां से भी 3 ट्रक सामान हटाया गया है।

मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर भोपाल में वोकेशनल ट्रेनर्स ने किया प्रदर्शन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। नवीन व्यावसायिक शिक्षा-प्रशिक्षक महासंघ मप्र से जुड़े वोकेशनल टीचर्स ने गुरुवार को गौतम नगर स्थित लोक शिक्षण संचालनालय के बाहर प्रदर्शन किया। वोकेशनल टीचर्स का प्रदर्शन दो दिन चलेगा। इसमें प्रदेश के अलग-अलग जिलों के एक हजार से ज्यादा शिक्षक शामिल हुए।

प्रदर्शनकारी वोकेशन ट्रेनर्स की मांग है कि उन्हें दिए जाने वाले मानदेय में बढ़ोत्तरी की जाए। साथ ही महिला वोकेशनल ट्रेनर्स को सवैतनिक मेटरनिटी लीव दी जाए। सागर से आए जिला अध्यक्ष शैलेंद्र प्रजापति ने बताया- प्रदेश में 3386 प्रशिक्षक कार्यरत हैं। हमारी लड़ाई अब आत्मसम्मान और स्वाभिमान की लड़ाई बन चुकी है। विभाग और शासन प्रशासन के सामने विगत 9 वर्षों से काम कर रहे थे, और अभी भी विगत 1 माह से काम कर रहे थे। अचानक टेंडर रिवाइज के नाम से हमारी सर्विस ब्रेक कर दी, और 9 वर्षों से हमारी बेसिक मांगें लंबित हैं।

शासन से हमारी अनुबंध आधारित मांगे हैं। पहली तो हमारी सर्विस ब्रेक बंद किया जाए, हमारी वेतन विसंगति दूर किया जाए, नवीन वेतनमान निर्धारण हो जिसमें प्रतिवर्ष इंक्रिमेंट हो, जो नियम के अधीन भी है।

6 माह का सवैतनिक मातृत्व अवकाश दिया जाए

वोकेशनल टीचर्स ने मांग की है कि महिला प्रशिक्षकों को 6 माह का सवैतनिक मातृत्व अवकाश दिया जाए। इसके साथ ही पात्र व्यक्ति को नियुक्त हो जाने के बाद पात्रता के लिए बार-बार एग्जाम की प्रक्रिया से ना गुजरना पड़े। छिंदवाड़ा से आई महिला प्रशिक्षक अश्विनी बंजारी का हाल ही में यूट्रेस का मेजर ऑपरेशन हुआ है। उन्होंने बताया कि इतनी तकलीफ के बाद भी वो यहां प्रदर्शन में शामिल होने सिर्फ इसलिए आई है कि ये उनके हक की लड़ाई है।

यह तो हमें जॉब से निकालने जैसा

खंडवा से आई कल्पना बुंदेला ने बताया कि पहले भी हमारा डीपीआई ने वैरिफिकेशन किया है । फिर बार बार वैरिफिकेशन जॉब से निकालने जैसा है। 2017 से हम यहां जॉब कर रहे हैं, 2 बार वैरिफिकेशन हो गया। जब हमने जॉब के लिए एप्लाई किया था तब हमारी उम्र कम थी, हम एग्जाम देने को तैयार है लेकिन अपनी एज का क्या करें। हमारी जॉब कैसे सुरक्षित रहेगी। 7 साल से सेवाएं दे रहे हैं..ये तो हमें जॉब से निकालने जैसा है।

व्यावसायिक प्रशिक्षक 9 साल से संघर्षरत

मप्र के शासकीय विद्यालयों में कौशल की शिक्षा देने वाले व्यावसायिक प्रशिक्षक विगत 9 वर्षों से अपनी मांगों के लिए संघर्षरत हैं। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक समग्र शिक्षा अभियान की नवीन व्यावसायिक शिक्षा का संचालन मप्र के शासकीय विद्यालयों में संचालन किया जा रहा है। जिसमें व्यावसायिक प्रशिक्षक विद्यार्थियों में कौशल का विकास कर उन्हें आत्मनिर्भर बना रहे हैं। परंतु आज इनका ही भविष्य सुरक्षित नहीं। शासन-प्रशासन से अब तक मात्र आश्वासन मिला है परंतु इनकी स्थिति और भी दयनीय हो चुकी है जिसके कारण इनमें रोष व्याप्त है।

याद किए जाएंगे प्रदीप अहिरवार, कलाकार देंगे नाट्य संगीत से आदरांजलि

भोपाल। रंगमंच की नर्सरी कहे जाने वाले शहर भोपाल में अपनी मंचीय मौजूदगी से खास पहचान बनाने वाले स्वर्गीय प्रदीप अहिरवार की प्रथम पुण्यतिथि पर नाट्य संगीत की प्रस्तुति दी जाएगी। प्रदीप के साथी कलाकारों द्वारा दी जाने वाली इस आदरांजलि में शहर और प्रदेशभर के मंच कलाकार शामिल होंगे। रंगकर्म संस्था रंग मोहल्ला सोसाइटी के अदनान खान ने बताया कि प्रदीप ने अपनी अल्पायु में मंच पर बड़ा जीवन जिया है। उनकी मंच कलाकार, निर्देशक और लेखक के तौर पर कई यादें मंचीय दुनिया में बिखरी हुई हैं, जो उन्हें हमेशा प्रदीप को लोगों के बीच जिंदा रखने वाली हैं। अदनान ने बताया कि एक हादसे से असमय प्रदीप को हमसे दूर कर दिया। लेकिन उनकी यादों को हम हमेशा अपने साथ रखने वाले हैं। इसी आदरांजलि को प्रदीप अहिरवार की पहली बरसी पर नाट्य संगीत प्रस्तुति के साथ कलाकारों से शेयर करेंगे। अदनान ने बताया, प्रदीप को प्रथम पुण्यतिथि पर राजधानी के एलबीटी सभागार में खास प्रस्तुति दी जाएगी। 28 जून को शाम छह बजे होने वाले इस कार्यक्रम में प्रदेश भर के कलाकार और प्रदीप के चाहने वाले मौजूद रहेंगे।

सम्पादकीय

अब पक्ष-विपक्ष मिलकर सहमति से चलाएं सरकार

किसी भी लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि सरकार सहमति से चले। साथ ही विपक्ष भी जिम्मेदार भूमिका में नजर आए। कुल मिलाकर हंगामे, बहिष्कार व नारेबाजी के बजाय रचनात्मक व गरिमामय भूमिका की दरकार है। स्वस्थ लोकतंत्र की दरकार है सरकार के निर्णयों में हर छोटे-बड़े राजनीतिक दल की भागीदारी हो। सत्तारूढ़ दल को भी इस बात का बखूबी अहसास होना चाहिए कि इस बार विपक्ष मजूबती के साथ लोकसभा में उपस्थित हुआ है।

देश में लंबे चले चुनाव अभियान और चुनाव परिणाम के बाद अस्तित्व में आयी 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत हो चुकी है। राजग की लगातार तीसरी पारी गठबंधन सरकार के रूप में सामने आई है। निश्चित रूप से इस बार विपक्षी गठबंधन पिछले दशक के मुकाबले ज्यादा मजबूत बनकर उभरा है। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव से ठीक पहले राहुल गांधी का विपक्ष का नेता चुना जाना साफ बताता है कि आने वाले दिनों में राजग सरकार की राह आसान नहीं रहने वाली। इस संक्षिप्त सत्र के दूसरे दिन लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सत्ता-पक्ष व विपक्ष के बीच जो तनातनी सामने आई, वह पिछले सात दशकों के मुकाबले अभूतपूर्व है। विपक्ष एक ओर लोकसभा उपाध्यक्ष पद देने की मांग कर रहा था, तो सत्ता पक्ष ऐसा करने को तैयार नहीं था। जाहिर इस टकराव के बीच लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने की स्थितियां बनी। हालांकि, राजग सरकार के पास चुनाव पूर्व गठबंधन के चलते पूर्ण बहुमत है, लेकिन विपक्ष इस चुनाव को अपनी एकजुटता के रूप में एक प्रतीकात्मक दबाव के रूप में देखना चाहता था। बहरहाल, बेहतर होता कि लोकसभा में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पदों पर चयन सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच सहमति से होता। इसी तरह नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों को शपथ दिलाने के लिये नियुक्त प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति को लेकर भी सत्ता पक्ष व विपक्ष में तनातनी देखी गई। वरिष्ठता के क्रम में इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस की दावेदारी की गई थी। बहरहाल, 18वीं लोकसभा की शुरुआत में ही पक्ष-विपक्ष के बीच तनातनी की शुरुआत स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत तो कदापि नहीं है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि 17वीं लोकसभा के दौरान टकराव के चलते तमाम सत्रों में कामकाज बुरी तरह प्रभावित रहा। उल्लेखनीय है कि दिसंबर, 2023 में शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में घुसपैठ के मामले में बहस की मांग पर कथित दुर्व्यवहार हेतु 141 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था। जिसमें 95 लोकसभा सदस्य थे। उम्मीद की जानी चाहिए 18वीं लोकसभा में वैसे दृश्य फिर न देखने को मिलें। जनता अपने प्रतिनिधियों को इस लिए चुनकर संसद में भेजती है ताकि वे उनके इलाके के विकास को नई दिशा दे सकें। लेकिन पहले दिन विपक्षी नेताओं द्वारा संसद में संविधान की प्रतियों के साथ एकजुटता दर्शाना और कतिपय सत्तारूढ़ दल के सांसदों के शपथ ग्रहण के दौरान नारेबाजी को देखकर लगता है कि विपक्ष ज्यादा मुखर होकर सरकार के लिये चुनौती पेश करता रहेगा। बहरहाल, किसी भी लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि सरकार सहमति से चले। साथ ही विपक्ष भी जिम्मेदार भूमिका में नजर आए। कुल मिलाकर हंगामे, बहिष्कार व नारेबाजी के बजाय रचनात्मक व गरिमामय भूमिका की दरकार है। स्वस्थ लोकतंत्र की दरकार है सरकार के निर्णयों में हर छोटे-बड़े राजनीतिक दल की भागीदारी हो। सत्तारूढ़ दल को भी इस बात का बखूबी अहसास होना चाहिए कि इस बार विपक्ष मजूबती के साथ लोकसभा में उपस्थित हुआ है। उसके साथ वैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता है जैसा कि राजग सरकार के पिछले दो कार्यकालों में नजर आया था। ऐसे में राजग सरकार को विपक्षी सहयोग से सदन को चलाना होगा। विपक्षी नेताओं के साथ मित्रवत व्यवहार ही सरकार की कार्यशैली को रवानगी देगा। अन्यथा लगातार टकराव की स्थिति बनी ही रहेगी। जिससे सत्तापक्ष व विपक्ष को लगातार बचने का प्रयास करना होगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलाता है। जिसे सार्थक बनाने का दायित्व सत्तारूढ़ व विपक्षी सांसदों के पास है। लगातार टकराव व हंगामे का दुनिया में कोई अच्छा संदेश नहीं जाएगा। किसी भी कलह से घिरी सरकार पर कई तरह के अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ने शुरू हो जाते हैं, जिससे देश की अंतरराष्ट्रीय छवि भी प्रभावित होती है। उम्मीद की जानी चाहिए कि 18वीं लोकसभा में पक्ष-विपक्ष मनभेद-मतभेद भुलाकर नए भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। देश के सामने बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, महंगाई और विकास से जुड़ी तमाम चुनौतियां खड़ी हैं, सरकार और विपक्ष को इसका एकजुट होकर मुकाबला करना चाहिए।

भावी पीढ़ियों को बीमारियों से समुद्र ही बचाएगा

समुद्र के अंदर के खजानों की खोज के लिये ही भारत सरकार ने 'डीप सी मिशन' यानी कि 'गहरे समुद्र अभियान' को शुरू किया है जो कि केवल खनिज अन्वेषण तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसमें समुद्री विज्ञान का विकास और वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं की खोज और समुद्री जैव विविधता का संरक्षण आदि भी शामिल है।

हिन्दू पुराणों में समुद्र की उत्पत्ति के सम्बन्ध में अनेक प्रकार की कथाएं दी गई हैं और कहा गया है कि सब प्रकार के रत्न समुद्र से ही निकलते हैं। इसीलिये उसे 'रत्नाकर' भी कहा जाता हैं। केवल रत्न ही नहीं बल्कि इस धरती के महासागर बेशुमार और अत्यंत उपयोगी औषधियों के भी खजाने हैं। शास्त्रों के अनुसार देवताओं और दैत्यों द्वारा किये गये समुद्र मंथन से ही अमरत्व प्रदान करने वाला अमृत और जीवन का नाश करने वाला विष प्राप्त हुआ था।

समुद्र के अंदर के खजानों की खोज के लिये ही भारत सरकार ने 'डीप सी मिशन' यानी कि 'गहरे समुद्र अभियान' को शुरू किया है जो कि केवल खनिज अन्वेषण तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसमें समुद्री विज्ञान का विकास और वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं की खोज और समुद्री जैव विविधता का संरक्षण आदि भी शामिल है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के इस प्रस्ताव को 16 जून 2021 को 5 साल के लिये 4077 करोड़ के बजट के साथ मंजूरी दे दी थी।

वैज्ञानिकों के अनुसार समुद्री पर्यावरण जैव सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों का एक असाधारण भंडार है, जिनमें से कई स्थलीय प्राकृतिक उत्पादों में नहीं पाए हैं। समुद्री जीवों अपना अस्तित्व बचाने के लिये प्राकृतिक तौर पर जैव रासायनिक और विशिष्ट शारीरिक तंत्र विकसित किए हैं जिनमें प्रजनन, संचार और शिकार, संक्रमण और प्रतिस्पर्धा से सुरक्षा जैसे उद्देश्यों के लिए जैव सक्रिय यौगिकों का उत्पादन शामिल है। समुद्री पर्यावरण में भौतिक और रासायनिक स्थितियों के कारण, समुद्री जीवों का लगभग हर वर्ग अद्वितीय संरचनात्मक विशेषताओं वाले विभिन्न प्रकार के अणुओं को धारण करता है।

मैरीन ड्रग्ज पत्रिका के 25 मई 2004 में प्रकाशित एक शोधपत्र के अनुसार रासायनिक विविधता से अलावा भी समुद्र अद्भुत जैविक विविधता का भंडार है। जीवन के 34 मूल संघों में से भूमि पर केवल 17 संघ पाए जाते हैं जबकि समुद्र में 32 संघ पाए जाते हैं। जैव विविधता के मूल दृष्टिकोण से महासागर कहीं अधिक विविध है और वास्तव में प्राकृतिक फार्मेसी विकसित करने के लिए उनमें असीम संभावनाएं हैं।

शोध पत्र के अनुसार अब तक शोधकर्ताओं ने लगभग 7000 समुद्री प्राकृतिक उत्पादों को चिन्हित किया है, जिनमें से 25 प्रतिशत शैवाल से, 33 प्रतिशत स्पंज से, 18 प्रतिशत कोइलेंटरेट्स (समुद्री चाबुक, समुद्री पंखे और नरम कोरल) से, और 24 प्रतिशत अन्य अकशेरुकी फाइला के प्रतिनिधियों से हैं। जैसे कि एसिडियन (जिसे ट्यूनिकेट्स भी कहा जाता है), ओपिथोब्रांच मोलस्क (न्यूडिब्रांच, समुद्री खरगोश आदि), इचिनोडर्म्स (स्टारफिश, समुद्री खीरे आदि) और ब्रायोजोअन (मॉस जानवर)।

कैलिफोर्निया के ला जोला में स्क्रिप्स इंस्टीट्यूशन ऑफ ओशनोग्राफी में सेंटर फॉर मरीन बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोमेडिसिन के निदेशक और ऑर्गेनिक केमिस्ट विलियम फेनिकल कहते हैं कि चूंकि हम इंसान जमीन पर रहते हैं, इसलिए हमने हमेशा वहीं देखा है। लेकिन अगर आप शुरू से पूछें कि हमें कहां खोज करनी चाहिए? तो जवाब हमेशा समुद्र होगा। अब हम वहां हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि समुद्री जीवों से भविष्य में अनेक जीवन रक्षक औषधियां बनाई जा सकेंगी। समुद्री स्त्रोतों से प्राप्त यौगिकों का परीक्षण अब पुराने दर्द, अस्थमा और स्तन कैंसर सहित विभिन्न घातक बीमारियों के उपचार के रूप में किया जा रहा है। पता चला है कि स्लाइम उपयोगी जैव रसायन बनाने में बिल्कुल शानदार है।

औषधीय वनस्पति विज्ञान में पिछले कई वर्षों में किए गए शोध ने समुद्री जैव-पूर्वेक्षण के लिए एक प्रमुख प्रेरणा दी है। 100 से अधिक महत्वपूर्ण दवाएँ या तो सीधे अर्क के रूप में या पौधों के अणुओं के सिंथेटिक पुनर्रचना के रूप में उत्पन्न होती हैं, जिनमें एस्पिरिन (विलो छाल से), डिजिटलिस (फूलों वाली जड़ी-बूटी फॉक्सग्लोव से), मॉर्फिन (अफीम खसखस से) और मलेरिया-रोधी दवा कुनैन (सिनकोना पेड़ की छाल से) शामिल हैं।

केंद्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (सीएसएमसीआरआई), भावनगर के शोधकर्ताओं ने समुद्री शैवाल से प्राप्त पॉलीसेकेराइड यौगिक से अगर-एल्डिहाइड के संश्लेषण और फिर उस पर आधारित ठोस सिल्वर नैनो कंपोजिट तैयार करने की पद्धति विकसित की है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस पद्धति से किफायती सिल्वर नैनो कंपोजिट प्राप्त किया जा सकता है, जो बैक्टीरिया-रोधी परत चढ़ाने, प्रतिक्रियाशील पदार्थों के निर्माण और कैंसर-रोधी उपचार विकसित करने में सहायक हो सकता है।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ साइंस जर्नल के अप्रैल-जून 2016 के अंक में प्रकाशित हर्षद माल्वे के शोध पत्र एक्सप्लोरिंग द ओसन फॉर न्यू ड्रग डेवेलपमेंट्स- मैरीन फार्माकॉलॉजी के अनुसार बीमारियों के पैटर्न बदल रहे हैं और बदलते पर्यावरण के कारण नई बीमारियाँ उभर रही हैं। दुनिया की आबादी में भारी वृद्धि ने दवाओं के लिए मौजूदा संसाधनों पर बोझ बढ़ा दिया है।

इसलिए दवा निर्माता दुनिया की आबादी की बढ़ती मांगों के लिए प्रभावी और सुरक्षित दवाएं विकसित करने के लिए हमेशा नए संसाधनों की तलाश में रहते हैं। पृथ्वी की सतह का पचहत्तर प्रतिशत हिस्सा पानी से ढका हुआ है, लेकिन समुद्री जीवों के औषधि विज्ञान में शोध सीमित है और इसका अधिकांश हिस्सा अभी भी अनदेखे पड़ा हुआ है। समुद्री पर्यावरण कैंसर या मलेरिया जैसी बड़ी बीमारियों से निपटने के लिए नई दवाओं के लिए अनगिनत और विविध संसाधनों की संभावनाओं के द्वार खोलता है। यह विभिन्न जलीय पौधों और जानवरों से युक्त एक पारिस्थितिक संसाधन भी प्रदान करता है। इन जलीय जीवों की जीवाणुरोधी, इम्यूनोमॉड्यूलेटर, एंटी-फंगल, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीकैंसर, एंटीमाइक्रोबियल, न्यूरोप्रोटेक्टिव, एनाल्जेसिक और एंटीमलेरियल गुणों के लिए जांच की जाती है। इनका उपयोग दुनियाभर में नई दवा के विकास के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है। समुद्री औषध विज्ञान में समुद्री मूल की इन दवाओं पर शोध की असीम संभावनाएं हैं। भारत में कुछ संस्थान हैं जो कि नई दवाओं की खोज में महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं।

वैज्ञानिक पत्रिका रिसर्च गेट के मार्च 2017 के अंक में सैयद सम्सुल हसन और अब्दुल लतीफ के शोध पत्र मैरीन एक्टिनोबैक्टीरिया ऐज अ ड्रग ट्रेजर हाउस के अनुसार समुद्री एक्टिनोबैक्टीरिया को उनके द्वितीयक मेटाबोलाइट्स की असीम क्षमता के कारण सोने की खान माना जाता है। अब अधिकांश शोध एक्टिनोबैक्टीरिया के व्युत्पन्न द्वितीयक मेटाबोलाइट्स पर इसके औषधीय गुणों की जांच करने के लिए किए गए हैं।

एक्टिनोबैक्टीरिया में भविष्य की महत्वपूर्ण बीमारियों, जैसे कि दवा-प्रतिरोधी बैक्टीरिया, कैंसर, वायरल बीमारियों की एक श्रृंखला, मलेरिया, कई संक्रमण और सूजन का इलाज करने की क्षमता है। हालांकि, कई जैव अणुओं की क्रिया का तरीका अभी भी अप्रयुक्त है, क्योंकि उन यौगिकों की एक ठोस संख्या है जिसके द्वारा वे मानव रोगजनन में हस्तक्षेप करते हैं, यहां विस्तृत आरेखित चित्रण के साथ रिपोर्ट किए गए हैं।

बड़ा प्रेरक है ओम बिरला का जीवन

ओम बिरला में ऐसा क्या है जो उन्हें लगातार दूसरी बार लोकसभा के अध्यक्ष जैसी बड़ी जिम्मेदारी पर पहुंचाता है। अपने कोटा शहर में जरूरतमंद लोगों को कपड़े, दवाएं, भोजन पहुंचाते-पहुंचाते बिरला कब राष्ट्रीय राजनीति के सितारे बन गए, यह एक अद्भुत कहानी है। प्रधानमंत्री ने सदन में उनके द्वारा चलाए जा रहे अनेक सामाजिक कार्यों की चर्चा की। उनकी सरलता,सहजता और सदन चलाने की उनकी क्षमताएं प्रमाणित हैं। अब जब वे ध्वनिमत से लोकसभा के अध्यक्ष चुने जा चुके हैं, तब उन पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी आन पड़ी है। यह भी शुभ रहा कि कांग्रेस ने प्रारंभिक चचाओं के बाद भी मत विभाजन की मांग नहीं की और उनका चयन सर्वसम्मत से हुआ। इससे संसद की गरिमा बनी और परंपराओं का पालन हुआ है। उम्मीद की जानी चाहिए आने वाले समय में लोकसभा ज्यादा बेहतर तरीके से अपने कामों को अंजाम दे सकेगी। बलराम जाखड़ के बाद वे दूसरे ऐसे सांसद हैं, जिन्होंने यह गरिमामय पद दुबारा संभाला है। इस बात को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि नए सांसदों को बिरला से सीखना चाहिए। मोदी ने कहा कि ह्लसंसद 140 करोड़ देशवासियों की आशा का केंद्र है। सदन में आचरण और नियमों का पालन जरूरी है। सदन की गरिमा और परंपराओं का पालन अध्यक्ष की बहुत महती जिम्मेदारी है।ह्व उम्मीद की जानी चाहिए कि संसद में लोकसभा अध्यक्ष के रूप में बिरला जी का यह कार्यकाल उदाहरण बनेगा। जहां गंभीर बहसें होंगी और शासकीय काम के साथ विमर्शों का नया आकाश खुलेगा। राजस्थान के कोटा जिले में 23 नवंबर,1962 को जन्में ओम बिरला का समूचा राजनीतिक और सावर्जनिक जीवन सेवा, समर्पण और उससे उपजी सफलताओं से बना है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष के रूप में काम प्रारंभ कर वे राजस्थान में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे 2003, 2008 और 2013 में तीन बार राजस्थान विधानसभा में विधायक निर्वाचित किए गए। 2014 से वे लगातार तीसरी बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस तरह वे एक सफल जनप्रतिनिधि के रूप में कोटा के लोगों का दिल जीतते रहे हैं। 17 वीं लोकसभा में अध्यक्ष चुने जाते ही वे राष्ट्रीय फलक पर छा गए। अपने तमाम फैसलों की तरह उस समय नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक विश्वेषकों को चौंकाते हुए बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा था। किंतु अपनी सौजन्यता, कुशल सदन संचालन और लोकसभा उपाध्यक्ष का चुनाव न होने के बाद भी अकेले वरिष्ठ सांसदों के पैनल के आधार उन्होंने सदन चलाया । उनका सहज अंदाज और हल्की मुस्कान,मीठी डांट से सदन को चलाने का तरीका उन्हें इस बार इस पद का स्वाभाविक उत्तराधिकारी बना चुका था। अब कोटा की स्थानीय राजनीति से राष्ट्रीय फलक पर आए बिरला सदन की उपलब्धि बन चुके हैं। बिरला राजनीति में आने से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े थे। उनके मन में समाजसेवा की भावना इसी संगठन से उपजी और वे विविध प्रकल्पों के माध्यम से इसी काम में रम गए। उन्होंने अपने क्षेत्र में 2012 में परिधान नाम कल्याणकारी कार्यक्रम प्रारंभ किया, जिसके तहत समाज के कमजोर वर्गों को किताबें और कपड़े वितरित किए जाते थे।

सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने-अपने तीर

सत्तारूढ़ राजग गठबंधन के संख्या-बल को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष का पद ओम बिरला को मिलना प्रत्याशित था, मगर स्वस्थ संसदीय परंपरा के मुताबिक उनका इस पद पर सर्वसम्मति से न चुना जाना अप्रत्याशित माना जाएगा। पिछले पांच दशकों में यह पहला मौका था, जब लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने थे। देश के संसदीय इतिहास में अब से पहले तीन बार ही ऐसा मौका आया था। हालांकि, इस बार भी सरकार की ओर से सवार्नुमति बनाने की लगातार कोशिशें होती रहीं, लेकिन बात नहीं बन सकी और अंततः ध्वनिमत से ओम बिरला व विपक्ष के उम्मीदवार के सुरेश के बीच लोकसभा अध्यक्ष पद का फैसला किया गया।

अध्यक्ष पद पर इस तनातनी के सत्ता पक्ष और विपक्ष के लिए अलग-अलग संकेत हैं। सत्ता पक्ष, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह संकेत देना चाहते थे कि बेशक इस बार उनकी सरकार सहयोगी दलों पर निर्भर है, लेकिन नीतिगत मोर्चे पर निरंतरता कायम है। फिर चाहे मंत्रिमंडल का गठन हो या राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का चयन या फिर प्रधान सचिव की नियुक्ति, सभी पदों पर कमोबेश पुराने चेहरों के ऊपर ही भरोसा किया गया है। ऐसे में, लोकसभा अध्यक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद भला कैसे छोड़ा जा सकता था? प्रधानमंत्री अपनी इस निरंतरता को राजनीतिक स्थिरता के रूप में पेश करना चाहते हैं। वह बताना चाहते हैं कि भाजपा के अल्पमत में होने के बावजूद यह एक मजबूत सरकार है, जिस पर उनका पूरा नियंत्रण है। वह कमजोरी का कोई संकेत नहीं देना चाहते, जो आमतौर पर गठबंधन की सरकार में देखी जाती है।

रही बात विपक्ष की, तो इस आम चुनाव में वह काफी मजबूती से उभरा है। वह सत्ता पक्ष के हरेक वार पर पलटवार करना चाहेगा। के सुरेश का नाम आगे करने के पीछे भी यही राजनीति थी। चूंकि सुरेश केरल से आठ बार सांसद रहे हैं और मौजूदा सदन के सबसे वरिष्ठ सांसद भी हैं, इसलिए विपक्ष उनको अस्थायी लोकसभा अध्यक्ष, यानी प्रोटेम स्पीकर बनाने की मांग कर रहा था, जिसे यह कहकर खारिज कर दिया गया कि दो आम चुनावों में वह सदन का हिस्सा नहीं बन सके थे। इसीलिए, भतृर्हरि महताब को यह दायित्व सौंपा गया, क्योंकि वह सात बार सांसद रह चुके हैं। सत्ता पक्ष के सुरेश के नाम पर सहमत होकर सौहार्दता का परिचय दे सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, नतीजतन, विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए के सुरेश का नाम आगे कर दिया।

हालांकि, मामला सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं था। के सुरेश दलित हैं। उनके नाम पर दांव खेलकर विपक्ष ने यह संदेश देने की भी कोशिश की है कि वह दलितों का हिमायती है और सत्ता पक्ष ऐसा नहीं चाहता। 2024 के चुनाव में दलित-कार्ड काफी अहम साबित हुआ है। आंकड़ों की मानें, तो दलितों का वोट भाजपा से छिटका है। चूंकि मुस्लिम भाजपा के वोटर नहीं माने जाते, इसलिए आकलन है कि दलित-मुसलमान का जातिगत समीकरण सत्तारूढ़ दल पर आगे भारी पड़ सकता है, क्योंकि इन दोनों की आबादी मिलकर करीब 32-33 प्रतिशत हो जाती है। चुनाव में ह्यइंडियाह्न ब्लॉक को पूर्वी उत्तर प्रदेश में ओबीसी का भी साथ मिला है और ब्राह्मण व राजपूत भी भाजपा से कुछ हद तक नाराज हैं। ऐसे में, विपक्ष की मंशा आने वाले विधानसभा चुनावों में इस जातिगत समीकरण का लाभ उठाने की हो सकती है। फिर, के सुरेश दक्षिण के नेता भी है, जहां से कांग्रेस को मुश्किल दिनों में संजीवनी मिलती रही है।

जाहिर है, सत्ता पक्ष प्रधानमंत्री मोदी के उस कथन को लोकसभा में साकार करने से चूक गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार बहुमत से बनती है, लेकिन देश सहमति से चलता है। उपाध्यक्ष पद विपक्ष को देकर अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति बनाई जा सकती है, लेकिन लगता यही है कि बतौर सहयोगी चंद्रबाबू नायडू ने इस पद पर अपना दावा जता दिया है। मुमकिन है, मोल-भाव में माहिर चंद्रबाबू नायडू ने अध्यक्ष पद छोड़ने के एवज में उपाध्यक्ष पद के साथ-साथ अमरावती को अपने सपनों की राजधानी बनाने के लिए केंद्र से आर्थिक मदद मिलने का वादा हासिल किया हो। हालांकि, इसकी सच्चाई कुछ दिनों के बाद ही सामने आएगी।

बहरहाल, संसद में विपक्ष की आक्रामकता आगे भी कायम रह सकती है। बुधवार को ही आपातकाल की निंदा करने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ मोर्चा खोल दिया गया, जो संकेत है कि अगले पांच साल सरकार के लिए आसान नहीं रहने वाले। लिहाजा, संसदीय कार्य मंत्री को काफी मेहनत करनी पड़ सकती है। उनकी मुश्किल इसलिए भी बढ़ सकती है, क्योंकि विपक्षी नेताओं से उनके रिश्ते अब भी उतने मधुर नहीं बन सके हैं, जबकि एक अच्छे संसदीय कार्य मंत्री के लिए विपक्षी नेताओं से अच्छा रिश्ता काफी अहमियत रखता है। मुझे आज भी याद है कि जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और प्रमोद महाजन संसदीय कार्य मंत्री। एक बार जब पूरा सत्र शोर-शराबे में खत्म होने वाला था, तब सेंट्रल हॉल में प्रमोद महाजन ने न सिर्फ विपक्ष के तमाम नेताओं से बात की, बल्कि उनको सदन चलाने के लिए राजी भी कर लिया। ऐसी अपेक्षा अब किरेन रिजिजू से भी होगी।

दरअसल, एक सोच यह है कि नरमी दिखाने से सरकार को कमजोर मान लिया जाएगा, जबकि गठबंधन की सरकारों में नरमी और लचीलापन मजबूती व स्थिरता का हिस्सा माने जाते हैं। दिक्कत यह भी है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष में विश्वास की भारी कमी है, जो कदम-कदम पर दिख रहा है। ऐसे में, जरूरी है कि आपसी विश्वास को मजबूत किया जाए। यदि नीट-नेट परीक्षा, अग्निवीर योजना, बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों पर सदन में बहस होती है, तो मुमकिन है कि विपक्ष अपनी सार्थक भागीदारी निभा सके। मगर यदि सत्र हंगामे की भेंट चढ़ते गए, तो देश के साथ-साथ लोकतंत्र को भी काफी नुकसान हो सकता है। उम्मीद है, ओम बिरला अपने इस महती दायित्व को समझ रहे होंगे। उनके सामने सोमनाथ चटर्जी जैसे उदाहरण हैं, जिन्होंने अपनी पार्टी के विचार को अध्यक्ष पद का दायित्व संभालने के दौरान खुद पर हावी नहीं होने दिया। वैसे, राजनेताओं की आपसी कटुता भी सदन पर भारी पड़ती रहती है, जिसकी तरफ संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने हालिया बयान में इशारा किया है। हमारे राजनेताओं को इनसे बचकर संसदीय जिम्मेदारियों का निबाह करना होगा।

तो नवंबर में नहीं होगी नानी की हिट 3 की शूटिंग!

अभी तो निर्देशक ने फाइनल स्क्रिप्ट ही नहीं सुनाई

नैचुरल स्टार नानी का करियर सातवें आसमान पर है। वो लगातार हिट फिल्में दे रहे हैं। ऐसे में उनके प्रशंसक उनकी हर नई फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। इन दिनों नानी सारिपोधा सानिवारम की शूटिंग में व्यस्त चल रहे हैं। इसके अलावा एक और फिल्म है, जिसकी वजह से नानी चर्चा में हैं और उस फिल्म का नाम है- हिट 3।

नानी को फाइनल स्क्रिप्ट सुनाना बाकी, उसके बाद होगा शूटिंग पर फैसला

हिट 3 का निर्देशन सैलेश कोलानू करेंगे। इस फिल्म को लेकर तरह-तरह की खबरें चल रही हैं। जैसे- एक खबर यह चल रही थी कि फिल्म की शूटिंग 2024 के नवंबर महीने में शुरु हो जाएगी। अब तेलुगु 123 की एक रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि यह खबर झूठी है और असल बात तो कुछ और ही है, जिसे सुनकर आप चौंक भी सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्देशक सैलेश ने तो अभी नानी को फाइनल स्क्रिप्ट ही नहीं सुनाई है। हिट 3 की कहानी को सुनने के बाद ही नानी यह तय करेंगे कि फिल्म की शूटिंग कब शुरू करनी है।

सारिपोधा सानिवारम में दिखेगी नानी और प्रियंका मोहन की जोड़ी

सारिपोधा सानिवारम की बात करें तो यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म के जरिए निर्देशक विवेक अथरेया और अभिनेता नानी एक बार फिर साथ में काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने अंते सुंदरानिकी में साथ काम किया था। कुछ दिन पहले ही इसका पहला गाना गरम गरम रिलीज किया गया था। इस गाने को विशाल ददलानी ने गाया है। गाने का संगीत जेक्स बिजॉय द्वारा तैयार किया गया है। वहीं, सनपति भारद्वाज ने गाने को लिखा है। सारिपोधा सानिवारम में नानी के साथ-साथ प्रियंका मोहन भी मुख्य किरदार अदा कर रही हैं और इनके अलावा साई कुमार और एसजे सूर्या भी परदे पर अहम रोल निभाते हुए दिखाई देंगे।

लॉस एंजिल्स की अदालत में हुआ खुलासा

अपनी मौत के समय दीवालिया हो चुके थे माइकल जैक्सन

हॉलीवुड के मशहूर पॉप स्टार माइकल जैक्सन किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। जब तक वे जिंदा थे अपनी लग्जरी जिंदगी और विवादित फैसलों की वजह से सुर्खियों में बने रहे। अपनी मौत के बाद भी माइकल जैक्सन का नाम अक्सर चर्चा में शामिल होता ही रहता है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जब गायक की मौत की मौत हुई थी तब उनपर 500 मिलियन डॉलर का कर्ज था। माइकल जैक्सन पूरी दुनिया में चैरिटी यानी दान देने के लिए मशहूर थे। वहीं लॉस एंजिल्स की अदालत ने एक दस्तावेज जारी करते हुए बताया कि अपने मृत्यु के समय गायक भयंकर रूप से कर्ज में डूबे हुए थे। उनपर 500 मिलियन डॉलर से यादा का बकाया था। गायक 25 जून 2009 को इस दुनिया को छोड़कर चले गए थे। माइकल जैक्सन की मौत 50 वर्ष की आयु में लंदन के विस्तारित दिस इज इट रेजीडेंसी की तैयारी के दौरान मृत्यु हो गई थी। जो जुलाई 2009 से मार्च 2010 तक चलने वाली थी। लॉस एंजिल्स की अदालत के दस्तावेज के मुताबिक गायक की संपत्ति लेनदारों के अधीन हो चुकी थी। माइकल जैक्सन ने ऊंचे दरों पर ब्याज ले रखा था। लॉस एंजिल्स टाइम्स ने बताया कि कोर्ट में प्रस्तुत किए गए दस्तवेजों में अकॉउंटेंट विलियम आर. एकरमैन ने अगस्त 2013 में गलत तरीके से मौत के मुकदमे में एईजी लाइव की ओर से बचाव किया था। एक गवाह के रूप में गवाही देते हुए उन्होंने जूरी सदस्यों को बताया कि जैक्सन ने दान, उपहार, यात्रा, कला के लिए पैसे खर्च किए थे।

किंकी फ्राइडमैन का निधन, 79 वर्ष की आयु में कहा दुनिया को अलविदा

गायक-गीतकार और व्यंग्यकार किंकी फ्राइडमैन का निधन हो गया है। उन्होंने 79 वर्ष की आयु में इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। उनके एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में उनकी मौत की पुष्टि की गई है। गायक के जाने से उनके चाहने वालों के बीच गम का माहौल है। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

इस पोस्ट के जरिए हुई पुष्टि

किंकी फ्राइडमैन के एक्स अकाउंट पर साझा किए पोस्ट में लिखा, किंकी फ्राइडमैन ने अपने परिवार और दोस्तों से घिरे अपने प्रिय इको हिल में इंद्रधनुष पर कदम रखा। किंकस्टर ने हाल के वर्षों में बहुत यादा दर्द और अकल्पनीय नुकसान सहा है, लेकिन उन्होंने कभी भी अपनी त्वरित बुद्धि नहीं खोई। किंकी तब तक जीवित रहेगें, जब तक उनकी किताबें पढ़ी जाती हैं और उनके गाने गाए जाते हैं।

केंट पर्किन्स ने दी श्रद्धांजलि

फ्रीडमैन के दोस्त केंट पर्किन्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर बताया कि गायक का नींद में ही निधन हो गया। पर्किन्स ने लिखा, वह हंसी, संगीत, वफादारी, दया, सहिष्णुता, सेवा और ज्ञान की विरासत छोड़ गए हैं। वह राष्ट्रपतियों, बेघर आवारा लोगों और हर तरह के इंसानों के दोस्त थे। सभी लोग उनके लिए समान मूल्य के थे। उनके नायकों में मूसा, जीसस, महात्मा गांधी, नेल्सन मंडेला और विंस्टन चर्चिल शामिल थे।

कई भाषाओं में छपी हैं उनकी किताबें

उन्होंने आगे कहा, उनकी किताबें कई भाषाओं में छपी हैं और उनकी अपील दुनिया भर में है। उनके कई उपन्यासों में एक चरित्र शामिल था, जिसके बारे में केंट पर्किन्स, प्राइवेट इन्वेस्टिगेटर के रूप में किया गया था। उन्होंने हममें से कई लोगों, अपने सबसे अछे दोस्तों को, 199बी वैंडम स्ट्रीट, ग्रीनविच विलेज, न्यूयॉर्क में रहने वाले एक निराश्रित गायक-गीतकार किंकी फ्राइडमैन की शौकिया जासूसी के इर्द-गिर्द केंद्रित हास्यपूर्ण हत्या रहस्यों की एक सफल सीरीज में शामिल किया।

तलाक के अफवाहों के बीच बेन एफ्लेक के ऑफिस में दिखीं जेनिफर

फैंस बोले- ये प्यार है या व्यापार!

हॉलीवुड की मशहूर गायिका और अभिनेत्री जेनिफर लोपेज और अभिनेता बेन एफ्लेक पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अफवाहों का बाजार गर्म है कि दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। बेन और जेनिफर अब अलग-अलग घरों में रह रहे हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कल जेनिफर लोपेज बेन एफ्लेक के ऑफिस में स्पॉट की गईं। दोनों के फैंस अब जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर माजरा क्या है।

जेनिफर हुए बेन ने साथ बिताया समय

जेनिफर लोपेज पिछले दिनों अकेले यूरोप में छुट्टियां मनाती नजर आई थीं। अपनी छुट्टी से लौटने के बाद गायिका को बुधवार को लॉस एंजिल्स में बेन एफ्लेक के प्रोडक्शन कार्यालय में स्पॉट किया गया। सूत्रों की मानें तो इस दौरान वे एफ्लेक के ऑफिस में सुबह करीब 10 बजे सूट पहनकर और कंधे पर डफेल बैग लेकर पहुंची थी। दोनों ने ऑफिस में काफी समय एक साथ बिताया। इस खबर के बाद दोनों की जोड़ी को पसंद करने वाले फैंस समझना चाह रहे हैं कि क्या बेन और जेनी में सब ठीक हो गया है।

प्यार या बिजनेस मीटिंग

जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक हॉलीवुड की मशहूर जोड़ियों में से एक हैं। दोनों की जोड़ी को लाखों लोग पसंद करते हैं। जेनिफर ऑफिस अकेले आईं थीं। गौरतलब है कि मीटिंग खत्म होने के बाद पहले बेन एफ्लेक ऑफिस से निकले और बाद में जेनिफर को निकलते देखा गया। वहीं अब फैंस कयास लगा रहे हैं कि ये बिजनेस मीटिंग थी या दोनों कुछ समय साथ में बिताना चाह रहे थे।

फिर से वेडिंग रिंग के साथ स्पॉट हुए बेन एफ्लेक

हॉलीवुड ए-लिस्टर्स जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक ने साल 2022 में शादी की थी। सूत्रों को मानें तो इन दिनों वे वैवाहिक समस्याओं से गुजर रहे हैं और अपनी शादी को बचाने की कोशिश में जुटे हैं। अफवाहों के बावजूद जेन और बेन कई मौकों पर एक साथ स्पॉट किए जाते रहे हैं। पिछले दिनों एक आउटिंग के दौरान बिना शादी की अंगूठी के नजर आए थे वहीं जेनिफर से मुलाकात के बाद वे वेडिंग रिंग पहन कर ऑफिस से निकलते दिखे।

हॉलीवुड में भी चल चुका है इन साउथ सितारों का जादू

जबर्दस्त एक्शन से जीते दिल

साउथ सितारे और उनकी फिल्में देश विदेश में अपनी खास पहचान बना रही हैं। लोग साउथ कलाकारों की दमदार अदाकारी से प्रभावित होते हैं और बेसब्री से उनकी फिल्मों का इंतजार करते हैं। साउथ के कई सितारे बॉलीवुड में भी अपनी अदाकारी का जलवा बिखेर चुके हैं, लेकिन आज हम आपको उन साउथ सितारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो हॉलीवुड में भी अपना जलवा कायम कर चुके हैं। चलिए जानते हैं उन साउथ सेलेब्स के बारे में, जो हॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके हैं और दर्शकों ने उनके काम को भी पसंद किया।

रजनीकांत

इस लिस्ट में सबसे पहले बात करते हैं थलाइवा रजनीकांत का। रजनीकांत साउथ के साथ साथ बॉलीवुड के भी सुपरस्टार हैं। उन्होंने एक से बढ़कर एक हिट फिल्मों के जरिए साउथ और बॉलीवुड में अपना सिक्का जमाया। इतना ही नहीं, रजनीकांत हॉलीवुड में भी अपना अभिनय का दम दिखा चुके हैं। साल 1998 में उन्होंने इंडियन-अमेरिकन फिल्म ब्लडस्टोन में काम किया था। हालांकि, यह पहली और आखिरी हॉलीवुड फिल्म थी, जिसमें रजनीकांत नजर आए थे। इसके बाद वह किसी हॉलीवुड फिल्म में नहीं दिखाई दिए।

धनुष

इस लिस्ट में अगला नाम आता है साउथ सुपरस्टार धनुष का। रजनीकांत के दामाद धनुष भी बॉलीवुड के साथ साथ हॉलीवुड की दुनिया में अपना जलवा बिखेर चुके हैं। धनुष ने साल 2018 में द एक्स्ट्राऑर्डिनरी जर्नी ऑफ द फकीर में काम किया था, जिसमें उनकी अदाकारी की जमकर तारीफ हुई। वहीं, साल 2022 में धनुष ने द ग्रे मैन फिल्म में अपना एक्शन अवतार दिखाया था।

नेपोलियन

इस लिस्ट में साउथ अभिनेता नेपोलियन भी अपनी जगह बनाए हुए हैं। नेपोलियन ने कई साउथ फिल्मों में जमकर अदाकारी को लेकर तारीफें बटोरीं। इसके साथ ही वह हॉलीवुड की फिल्म में भी नजर आए। साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म क्रिसमस कूपन में अभिनेता ने काम किया था। इसके बाद उन्होंने एक और हॉलीवुड फिल्म में काम किया।

जीवी प्रकाश

साउथ सिनेमा के मशहूर म्यूजिक कंपोजर और अभिनेता जीवी प्रकाश भी इस लिस्ट में शामिल हैं। टॉलीवुड के साथ साथ उन्होंने हॉलीवुड की फिल्मों में भी काम किया। जीवी प्रकाश ने हॉलीवुड में फिल्म ट्रैप सिटी से डेब्यू किया था। इस फिल्म में ब्रैंडन टी जैक्सन और डेनिस एलए व्हाइट ने लीड रोल निभाया।

पूजा कुमार

साउथ अभिनेत्री पूजा कुमार का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। वह विश्वरूपम फिल्म में कमल हासन के साथ काम कर चुकी हैं।

बिग बॉस के इन प्रतियोगियों पर लगा फेक शादी रचाने का आरोप

सूची में शामिल शहनाज से राखी तक के नाम

बिग बॉस ओटीटी 3 की शुरुआत हो चुकी है। इसमें कोई शक नहीं है कि यह सबसे विवादित शो में से एक है। सीजन 3 में भी एक से बढ़कर एक प्रतिभागी आए हैं। शो की शुरुआत से ही बीबी हाउस में बवाल मचा हुआ है। वहीं, इस शो के कुछ पूर्व प्रतियोगी ऐसे भी रहे हैं, जिन पर टीआरपी के लिए नकली शादी रचाने का आरोप लग चुका है। इन चर्चित चेहरों ने टीआरपी के लिए नकली शादी रचाई और आगे जाकर मुकर गईं। इस तरह ये हीरोइनें नेशनल टेलीविजन पर शादी का मजाक उड़ा चुकी हैं। इस लिस्ट में शहनाज गिल से लेकर राखी सावंत तक शामिल हैं। आइए इन सितारों की सूची पर गौर फरमा लेते हैं-

शहनाज गिल ने रियलिटी शो बिग बॉस 13 से घर-घर में अपनी पहचान बनाई। शो के होस्ट सलमान खान, शहनाज को पंजाब की कटरीना कैफ कहते हैं। वहीं, बिग बॉस 13 शो के खत्म होते ही शहनाज गिल ने अपना स्वयंवर रचाया था। शो में सना ने प्रतियोगियों से खूब मेहनत कराई। हालांकि, फिनाले में शहनाज ने किसी को भी चुनने से इनकार कर दिया, और शादी से मुकर गईं। ऐसा करने के बाद शहनाज पर आरोप लगा कि उन्होंने महज फेम के लिए यह ढोंग रचा था।

सारा खान और अली मर्चेंट बिग बॉस 4 में नजर आए थे। दोनों ने शो में ही शादी रचाई थी। हालांकि, एक महीने बाद ही सारा-अली ने अपनी राहें अलग कर लीं, जिससे इनके फैंस का दिल टूट गया। वहीं, कुछ समय बाद ऐसी खबरें सामने आईं कि इन सितारों ने झूठी शादी का स्वॉन्ग रचा था। रिपोर्ट तो यह भी थी कि सारा-अली को फेक शादी के लिए 50 लाख रुपये मिले थे।

ड्रामा क्वीन राखी सावंत ने भी नेशनल टेलीविजन पर स्वयंवर रचाया था। शो राखी का स्वयंवर उस वक्त खूब सुर्खियों में था। हालांकि, यह भी दर्शकों को बेवकूफ बनाने का ही एक जरिया था। शो के आखिर में राखी ने इलेश नाम के शख्स से सगाई की थी, लेकिन आगे चलकर उन्होंने रिश्ता तोड़ लिया, और शादी करने से साफ इनकार कर दिया।

जसलीन मथारू और अनूप जलोटा ने बतौर गर्लफ्रेंड और बॉयफ्रेंड बिग बॉस शो में एंट्री ली थी। उस वक्त जसलीन महज 30 वर्ष की थीं। ऐसे में दोनों के रिश्ते की खबरों के कारण शो को खूब टीआरपी मिली। इतना ही नहीं जसलीन और अनूप की शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं, जिसने सबको हैरान कर दिया था। हालांकि, बाद में खुलासा हुआ कि ये गेटअप तो उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए चुना था। अनूप जलोटा ने तो यह तक कहा था कि अगर वह 35 वर्ष के भी होते तो जसलीन से शादी नहीं करते, क्योंकि उनका परिवार जसलीन के पहनावे को पसंद नहीं करता।

मैहर कलेक्टर रानी बाटड़ ने किया रेलवे स्टेशन स्तिथ ऑटो स्टैंड का निरीक्षण

रेलवे प्लेटफार्म में घूमकर यात्री पकड़ने वाले ऑटो चालकों पर लगेगी लगाम

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ ।

मैहर, आज ऑटो चालकों से मिली जनकारी अनुसार रेलवे स्टेशन के बाहर रैन बसेरा में ऑटो स्टैंड को लेकर मैहर कलेक्टर रानी बाटड़ ने किया निरीक्षण और स्टेशन के परिषर में ऑटो खड़ी करने पर रोक व रेलवे प्लेटफार्म में घूमकर यात्री पकड़ने वाले ऑटो चालकों पर लगेगी लगाम इसके तहत ऑटो स्टैंड के लिए रूप रेखा समझाते हुए ऑटो चालकों को करीब एक हफ्ते में सुधरने व नए नियम पर चलने की समझाइस भी दी गई, मिली जानकारी अनुसार ऑटो के लिए जो भी सवारी ऑटो लेगा तो वो स्टेशन में पहले टोकन लेगा और टोकन अनुसार ऑटो में बैठेगा और जब देवी जी मे ऑटो स्टैंड पर पहुचेगा तब टोकन देने पर निर्धारित किराया ऑटो चालक को मिलेगा और इस तरह ऑटो चालक किसी भी तरह की प्रसाद दुकान के लिए किसी तरह से दबाव नही बना पायेगा देवी जी धाम में ऑटो से उतरने के बाद यात्री अपनी मन मर्जी दुकान या स्थान या कही भी आ जा सकता अब पहले जैसे ऑटो चालक स्टेशन के अंदर ट्रेनों में झूलकर यात्री नही पकड़ पाएंगे ऑटो

चालकों की दायरा केवल ऑटो स्टैंड के बाहर तक ही जिस ऑटो के नम्बर वाली टोकन होगी वही ऑटो सवारी लेकर जाएगा वो भी ऑटो में निर्धारित सवारी बैठाएगा भरे साही नही अगर एक ऑटो में तीन सवारी तो तीन ही सवारी चौथा नही नही तो कानूनी कार्यवाही ऑटो चालक व मालिक जो अभी तक एक ऑटो में तीन सवारी के बजाय दर्जन भर भर लेते थे, वो सब अब नही चलेगा मैहर जिला अब विकास की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहा है,

मैंहर पुलिस द्वारा "नशा मुक्ति जनजागृति अभियान " के तहत लोगो को जागरुक करने के लिए किया गया विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

थाना प्रभारियों एवं उनकी टीम द्वारा जगह जगह लोगों के बीच पहुचकर बताए उन्हें , नशे के दुष्परिणाम और दिलाई नशे से दूर रहने की शपथ

निवास मिश्रा । सिटी चीफ ।

मैहर, वर्तमान मे युवा वर्ग मे नशे की बढती प्रवृत्ति को कम करने एवं नशे के कारण होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता लाने के लिए मैंहर पुलिस द्वारा समय समय पर विभिन्न कार्यक्रम व अभियान चलाकर लगातार आमजनों को जागरुक करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशों के अनुक्रम में मैंहर जिले में ,पुलिस अधीक्षक मैंहर श्री सुधीर अग्रवाल के दिशा निर्देशन मे मैंहर पुलिस द्वारा अंतराष्ट्रीय नशामुक्ति दिवस के उपलक्ष्य मे आमजन को नशे के प्रति जागरुक करने के लिए "नशा मुक्ति जनजागृति अभियान " दिनांक 20 जून 2024 से 26 जून 2024 तक सप्ताहिक अभियान मैंहर जिले के सभी थानां प्रभारियों द्वारा चलाकर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी

अनुक्रम नगर पुलिस अधीक्षक राजीव पाठक एवं अमरपाटन श्री शिव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कोतवाली मैंहर थानां प्रभारी मय समस्त स्टॉप के साथ आज दिनांक 24/06/24 को मैंहर शहर के घंटाघर चोराहा अलाउदीन चोराहा पुरानी सब्जी मंडी में नशा मुक्ति का कार्यक्रम किया गया। उक्त कार्यक्रम में व्यपारी व अन्य लोगो सहित महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया। इसके अलावा थानां अमदरा के ग्राम धुनवारा में नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में समझाया गया साथ ही नशा न करने को बताया गया। इसी क्रम में थानां अमरपाटन कस्बे रामनगर तिराहा एवं ग्राम खड़मसेड़ा में नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में समझाया गया व नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई।

कटनी जिले के पारधी समाज के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाने की अनोखी पहल

पारधी समाज के एक दर्जन के अधिक बच्चो का शासकीय स्कूल में प्रवेश कराया

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, कटनी जिले के पारधी समाज जिनकी अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाई जाती है और वह अलग ही अपनी अलग ही दुनिया में रहते आ रहे है। कटनी जिले के ऐसे सेकडो पारधी परिवार है जो जिले के हरदुआ ग्राम में निवास करते है और खाना बदोश की जिंदगी जी रहे है, और उनके बच्चे शिक्षा से वंचित रहते है। उनके बच्चों को शिक्षा के जरिये मुख्यधारा में जोडने् में पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन ने एक अनोखी पहल कई माह से करती आ रही है। और कटनी जिले के हरदुआ ग्राम में बस चुके पारधी समाज के बच्चे को शिक्षा दिलाने के लिए एक बड़ी बैठक जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने रखी जिसमे सैकडो की तादात में पारधी समाज के लोग पहुंचे और उनके समाज के एक दर्जन से जायदा बच्चो ने ग्राम के स्कूल में प्रवेश भी लिया और उन्हें होने वाली समस्याओं को जिला प्रशासन ने सुन उनके निराकरण की बात कही है।

कटनी जिले के कलेक्टर अवि प्रसाद और कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने पारधी समाज के बच्चों को शिक्षित करने को तरजीह दी और कटनी जिले के हरदुआ ग्राम स्थित स्कूल में करीबन एक दर्जन बच्चो का प्रवेश भी कराया और उनके माता पिता से गुजारिश की है की वह अपने बच्चो को प्रतिदिन स्कूल जरूर भेजे। वही पारधी समाज के लोगो के चहरे में मुस्कान भी साफ साफ देखी गई। जिले का पुलिस और जिला प्रशासन तमाम परेशानियों के बावजूद पारधी समाज के बच्चों को शिक्षा के उजियारे से जोड़ा है। वर्तमान में जिले में पारधी समाज के सैकडो बच्चे अपने माता पिता के साथ एक जगह रहते हैं, लेकिन वे सभी अपने सामाजिक समस्याओं और रोजगार के चलाते शिक्षा से वंचित रह रहे थे। कई बच्चे एक शहर से दूसरे शहर काम की तलाश में अपने माता पिता के साथ भटकते रहते है। जिससे वह शिक्षा से वंचित थे। कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद ने बताया की वे कटनी एसपी अभिजीत रंजन के साथ मिल कर सबसे पहले जिले के हरदुआ ग्राम के निवासी बन चुके पारधी समाज के लोगो से मुलाकात करने पहुंचे थे और उन्हें अपराधी गतिविधियों से दूर रहने के लिए कहा था और यह भी कहा था की वे सभी अपने अपने बच्चो को स्कूल में शिक्षा ग्रहण कराने जरूर भेजे जहा पारधी समाज के लोगो ने यह बताया की उनके पास न तो उनकी खुद की जमीन है और न ही रोजगार और न ही उनके पास कोई इसे कागजात भी नही है जिससे उनके बच्चो को स्कूल में दाखिला मिल सके इस सभी समस्याओं को जिला और पुलिस प्रशासन ने सुन सभी समस्याओं के निराकरण करने का आश्वासन दिया। जिसके पाद हरदुआ के शासकीय स्कूल में पारधी समाज की बैठक रखी जहा उन्हे समझाया गया की वे अपने बच्चो को स्कूल जरूर भेजे जिससे उनके बच्चो का भविष्य सुधरेगा और उनकी जो भी समस्याएं है एक एक कर सभी का निकारण जिला प्रशासन जरूर करेगा। हरदुआ के शासकीय स्कूल में कटनी कलेक्टर ने करीबन एक दर्जन के अधिक बच्चो का प्रवेश कराया है और पारधी समाज के लोगो के चहरे पर मुस्कान भी देखी गई।

सहारनपुर जनपद के नवांगतुक एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने जिले का कार्यभार ग्रहण किया

सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण और अपराध पर नियंत्रण उनकी प्राथमिकता रहेगी :- एसएसपी रोहित सिंह सजवाण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के नवांगतुक एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने आज जिले का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण और अपराध पर नियंत्रण उनकी प्राथमिकता रहेगी। अपराधियों पर लगाम लगाना भी उनकी प्राथमिकता रहेगी। शासन ने जिले के एसएसपी रहे डॉ. विपिन ताडा का मेरठ स्थानांतरण किया था। उनके स्थान पर मेरठ के एसएसपी रहे रोहित सिंह सजवाण को सहारनपुर भेजा गया है। नवागंतुक एसएसपी रोहित सिंह सजवाण आज सहारनपुर सर्किट हाउस पहुंचे और कार्यभार संभाला। आईपीएस रोहित सिंह सजवाण मूलरूप से उत्तराखंड के टिहरी जिले के गांव चाका किराड़ा के रहने वाले हैं। वह 2013 बैच के

आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने स्कूली शिक्षा नैनीताल के सरस्वती विहार स्कूल से की है। उन्होंने वर्ष 2009 में इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन शाखा से बीटेक किया है। रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि वह सबसे पहले महाराजगंज में एसपी बने थे। इसके बाद बरेली और फिर मेरठ के एसएसपी बने। यह उनका चौथा जिला है। उन्होंने बताया कि उनकी प्राथमिकता अपराधियों पर लगाम लगाना है। जिले में कानून व्यवस्था को किसी भी सूरत में बिगड़ने नहीं देंगे।

आबकारी विभाग ने 11 लाख की शराब के साथ जिम संचालक को किया गिरफ्तार...

भंवरकुआं क्षेत्र से अपने घर से ही आरोपी करता था शराब की सप्लाई..

प्रदीप चौधरी । सिटी चीफ ।

इंदौर, इंदौर की आबकारी विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भंवरकुआं क्षेत्र में अरुण पिता विजय चौहान नामक एक जिम संचालक को अपने घर से शराब बेचने के मामले में गिरफ्तार किया है। जिसमें आरोपी के पास से पुलिस ने 307 बोतल शराब जप्त की है। वही जप्त की गई सभी शराब की बोतल महंगी और बड़े ब्रांड की है, जिसकी बाजार मूल्य 11 लाख रुपए बताई जा रहा है। आरोपी के द्वारा कई शराब की बोतले पार्सल के माध्यम से मंगवाई गई है। जिसके संबंध में भी पुलिस के द्वारा शराब डिलीवरी करने वालों को लेकर पूछताछ कर रही हैं।

मनीष बंसल ने किया जिलाधिकारी सहारनपुर का कार्यभार ग्रहण

शासन की मंशा के अनुसार समस्या का समाधान संबंधित स्तर पर ही कराया जाना उनकी प्राथमिकता रहेगी :- जिलाधिकारी मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, नवागत जिलाधिकारी मनीष बंसल ने आज कोषागार में जिलाधिकारी सहारनपुर का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। बंसल वर्ष 2014 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के आईएएस अधिकारी है। इससे पूर्व वह जिलाधिकारी संभल, नगर आयुक्त मेरठ और मुख्य विकास अधिकारी लखनऊ के पद पर अपनी सेवा दे चुके हैं।कार्यभार ग्रहण करने के बाद जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि उनकी प्राथमिकता रहेगी कि शासन की मंशा के अनुसार समस्या का समाधान संबंधित स्तर पर ही कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश और

भारत सरकार के जो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट जनपद में चल रहे हैं उनको समयबद्धता से पूर्ण कराया जाएगा। जन शिकायतों का समयबद्ध प्रभावी निस्तारण के लिए प्रतिदिन 10 से 12 बजे जनसुनवाई की जाएगी। सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को पूरी तरह धरातल पर उतारा जाएगा। प्रत्येक पात्र को लोककल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सहारनपुर एक प्रगतिशील जिला है, इसको हम मिलकर और ज्यादा प्रगति के पथ पर लेकर जाएंगे। कार्यभार ग्रहण करते समय मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी न्यायिक रमेश यादव, सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, मुख्य कोषाधिकारी सूरज कुमार एवं कलेक्ट्रेट के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

किसान यूनियन की बैठक में किसानों की समस्याओं पर विचार-विमर्श करते हुए प्रशासन से उनके निराकरण की मांग की गई

बैठक में संगठन की कार्यकारिणी का विस्तार कर नए पदाधिकारियों का स्वागत भी किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर । देवबंद, किसान यूनियन की बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विचार-विमर्श करते हुए प्रशासन से उनके निराकरण की मांग की गई। बैठक में संगठन की कार्यकारिणी का विस्तार कर नए पदाधिकारियों का स्वागत भी किया गया।ईदगाह रोड रोड स्थित फरहत इलाही के आवास पर हुई बैठक में संगठन के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री महबूब अंसारी ने कहा कि संगठन किसान हितों की लड़ाई लडने् को तत्पर है। उन्होंने कहा कि किसानों का उत्पीडन् किसी सूरत में नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने बेसहारा पशुओं से फसलों को हो रहे नुकसान को रोके जाने, स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू किए जाने और आगामी सत्र में गन्ना मूल्य 500 रुपये कुंतल घोषित करने की मांग की। मंडल उपाध्यक्ष पप्पू त्यागी, अनवर चौधरी व नगर अध्यक्ष मोहम्मद अरशद ने भी विचार रखें। इस दौरान फरहत इलाही को संगठन का जिला महामंत्री और नफीस नंबरदार को ब्लाक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस दौरान फरहत इलाही और नफीस नंबरदार ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका वह निष्ठा से निर्वहन करते हुए संगठन की मजबूती के लिए काम करेंगे। इस दौरान असद जमाल फैजी, शोएब उस्मानी, फारूक नंबरदार, काशिफ उस्मानी, राहिल खान, आतिफ सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

करैरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

तीनों अंतरराज्यीय चोरों से 11लाख 80 हजार रुपये की चोरी की 18 मोटरसाइकिल बरामद

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ ।

शिवपुरी, शिवपुरी जिले के करैरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सुनारी चौकी पुलिस द्वारा चोरी की 18 मोटरसाइकिल बरामद कर तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। करैरा पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि सुंनारी चौकी क्षेत्र में मंगला माता तिराहे के पास तीन व्यक्ति दो मोटरसाइकिल लेकर बेचने जा रहे हैं । मुखविर की सूचना पर पुलिस के द्वारा चेकिंग पॉइंट लगाया तभी दो मोटरसाइकिल आती दिखाई दी तो पुलिस को देख तीनों बदमाश मोटरसाइकिल से भागने लगे तभी पुलिस ने पीछा कर तीनों बदमाशों को पकडकर पूछताछ की तो तीनों गोलमोल जवाब देते नजर आए

तब पुलिस को संदेह हुआ कि यह दोनों गाड़ियां चोरी की हैं पुलिस दोनों मोटरसाइकिलों सहित तीनों को थाना लेकर गई जब तीनों से सख्ती से पूछताछ की गई तो दोनों मोटरसाइकिल चोरी की होना बताया और 16 अन्य मोटरसाइकिल कई स्थानों जैसे शिवपुरी,नरवर,ग्वालियर, झांसी एवं नासिक महाराष्ट्र से चोरी करना स्वीकार किया तथा पुलिस ने आरोपियों के बताए स्थान से 16 अन्य मोटरसाइकिल बरामद की पुलिस ने आरोपियों से करीब 11 लाख 80 हजार रुपए की 18 मोटरसाइकिल बरामद कर चोरी की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

सिंघ नदी में धार महादेव के 52 साल बाद हुए दर्शन स्थानीय श्रद्धालुओं ने किया अभिषेक

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ ।

शिवपुरी, शिवपुरी जिले की नरवर तहसील अन्तर्गत कालीपहाड़ी के पास सिंध नदी में कालादाह नाम से जल भराव गहरा कुंड है। सिंध नदी में जलभराव वाला यह क्षेत्र वर्ष 1970 में सूख गया था उस समय यहां नदी के बीचों बीच एक ही पत्थर पर प्राकृतिक रुप से मौजूद प्राचीन समय से शिवलिंग की पूजा अर्चना के साथ जलाभिषेक किया गया था ,इस वर्ष 2024 में भी पानी सूखने के कारण प्राकृतिक रूप से बने इस शिवलिंग के स्थानीय श्रद्धालुओं को दर्शन हुए, आसपास के ग्रामीणों ने दर्शन होने के बाद धार महादेव की पूजा अर्चना कर अभिषेक किया वैसे तो यहां बड़ी बड़ी पत्थर की चट्टान मौजूद हैं लेकिन इस पत्थर की आकृति प्राकृतिक रूप से शिवलिंग की तरह है और नदी के बीच में मौजूद है इसलिए इस स्थान को ग्रामीण धार महादेव के नाम से पुकारते हैं।

सतना कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा द्वारा गुरुवार को जिला पंचायत सभागार में जनपद पंचायत रामपुर बाघेलान, मझगवां, नागौद, सोहावल तथा उचेहरा में ग्रामीण विकास के तहत किए जा रहे सभी प्रकार के निर्माण कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री संजना जैन,कार्यपालन यंत्री आरईएस श्री अश्वनी जायसवाल सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विखं बमोरी में बच्चों के अधिकार संरक्षण के संबंध में कैंप का किया गया आयोजन

शिविर के दौरान लगभग 300 से अधिक प्राप्त हुए आवेदन, समय सीमा में निराकरण के दिये गये निर्देश

गुना

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली द्वारा विकासखंड बमोरी में बच्चों के अधिकार संरक्षण के संबंध में कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में म.प्र. बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्रीमती निवेदिता शर्मा एवं श्री ओमकार सिंह की खंडपीठ द्वारा प्राप्त आवेदनों पर समक्ष में सुनवाई की गई। शिविर में बाल कल्याण समिति गुना की अध्यक्ष डॉ. नीरू शर्मा भी उपस्थित रहीं। उक्त कैंप में लगभग 300 आवेदन प्राप्त हुए जिन पर संबंधित विभागों को समय सीमा में निराकरण हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया। साथ ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाए गए, साथ ही आधार पंजीयन, आयुष्मान कार्ड बनाने एवं बैंक खाते खोलने हेतु संबंधित विभाग द्वारा स्टाल भी लगाए गए। इस दौरान बाल आयोग के सदस्यगण द्वारा सीएम राइज स्कूल बमोरी एवं कस्तूरबा छात्रावास का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी एवं आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राजकुमार ऋषिश्वर, एसडीपीओ पुलिस श्री विवेक अष्ठाना, जिला शिक्षा अधिकारी श्री सी.एस सिसौदिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री आर.बी. गोयल, जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग श्री बी.एस. सिसौदिया, डीपीसी श्री ऋषि शर्मा, तहसीलदार बमोरी श्री देवदत्त गोलिया, थाना प्रभारी बमोरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

साफ- सफाई नहीं पाये जाने पर संबंधित एजेंसी पर जुर्माना लगाने के निर्देश

नरसिंहपुर

श्री अभय वर्मा ने जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर श्री वर्मा ने सिविल सर्जन नरसिंहपुर से जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजों, उन्हें भोजन- नाश्ता, यहां प्रतिमाह होने वाले प्रसव, दवाईयों की उपलब्धता, शिशु चिकित्सा, पोषण पुनर्वास केन्द्र आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने इलाज के लिए आये मरीजों एवं उनके परिजनों से भी चर्चा की। परिजनों ने बताया कि जिला चिकित्सालय में उन्हें किसी प्रकार की तकलीफ इलाज के दौरान नहीं हुई। दवाईयां चिकित्सालय में मिल गई। कमिश्नर श्री वर्मा ने सिविल सर्जन को मरीजों की तत्काल सोनोग्राफी कराने के निर्देश दिये। उन्होंने एएनसी वार्ड में भर्ती मरीजों से अस्पताल से मिलने वाले भोजन के बारे में तथा लेबर रूम में मरीजों के हुए ऑपरेशन के बारे में तथा चिकित्सकों द्वारा किए जा रहे उपचार की जानकारी ली। अस्पताल भ्रमण के दौरान अस्पताल परिसर में पर्याप्त साफ- सफाई नहीं पाये जाने पर संभागायुक्त श्री वर्मा ने

अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए अनुबंधित एजेंसी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने अस्पताल प्रबंधक को साफ- सफाई की नियमित रूप से सतत मानीटरिंग करने के निर्देश दिये। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में विषय- विशेषज्ञ चिकित्सकों में कार्यरत चिकित्कों के नाम सहित उपलब्धता की जानकारी ली और कमी होने पर राज्य स्तर पर विषय- विशेषज्ञ चिकित्सकों की पूर्ति के लिए मांग पत्र भेजने के निर्देश दिये। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश बोहरे ने बताया कि शासन स्तर से नियुक्तियां होनी हैं। उन्होंने ब्लड बैंक में ब्लड की ग्रुपवार उपलब्धता की जानकारी ली एवं इमरजेंसी में आने वाले मरीजों के लिए पर्याप्त? मात्रा में ब्लड उपलब्ध कराये जाने निर्देश दिये। साथ ही ब्लड डोनेशन कैम्प भी सतत रूप से आयोजित करने के लिए निर्देशित किया निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश बोहरे, सिविल सर्जन, अन्य अधिकारी, अस्पताल प्रबंधक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक और जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर के समस्त अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

रेत व पत्थर के अवैध कारोबार के खिलाफ जिला प्रशासन ने शुरू की विशेष मुहिम

छापामार कार्रवाई कर 8 ट्रक एवं तीन स्थानों पर भण्डारित 420 घन मीटर रेत जब्त

ग्वालियर

रेत के अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज

जिले के चार एसडीएम, पुलिस व खनिज अधिकारी की टीम ने संयुक्त रूप से की कार्रवाई

जिले में रेत व पत्थर के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के खिलाफ विशेष मुहिम शुरू की गई है। गुरुवार को इस मुहिम के तहत जिला प्रशासन व पुलिस की संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई कर रेत के अवैध उत्खनन में लिप्त 7 ट्रक जब्त किए हैं। साथ ही गिट्टी से भरा हुआ एक ट्रक टीम द्वारा जब्त किया गया। इसके अलावा शहर में तीन स्थानों पर औचक निरीक्षण कर अवैध रूप से भण्डारित लगभग 420 घन मीटर रेत जब्त किया है। रेत के इस अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ खनिज अधिनियम सहित अन्य प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर छापामार कार्रवाई के लिये गई जिला प्रशासन की टीम ने दीनदयालनगर व बड़ागाँव क्षेत्र में तीन स्थानों पर अवैध रूप से भण्डारित रेत जब्त करने की कार्रवाई की। इसी दौरान विभिन्न स्थानों से रेत के अवैध परिवहन में संलग्न मिले 7 ट्रक व एक ट्रक गिट्टी का जब्त किया। जब्त किए गए ट्रक संबंधित थानों में पुलिस अभिरक्षा में खड़े कराए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जिले के सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को कार्रवाई के लिये गई टीम में एसडीएम ग्वालियर सिटी श्री अतुल सिंह, एसडीएम मुरार श्री अशोक चौहान, एसडीएम लश्कर श्री नरेन्द्र बाबू यादव व एसडीएम ग्वालियर ग्रामीण श्री सूर्यकांत त्रिपाठी तथा जिला खनिज अधिकारी श्री प्रदीप भूरिया व पुलिस अधिकारी शामिल थे।

10 भारतीय मछुआरों पर लगेगा श्रीलंकाई नौसेना के एक नाविक की मौत का आरोप

कोलंबो- श्रीलंका की समुद्री सीमा में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किए गए दस भारतीय मछुआरों पर नौसेना के एक नाविक की मौत का आरोप लगाया जाएगा। मछुआरों की नाव को जब्त करने के अभियान के दौरान इस नाविक की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। श्रीलंकाई नौसेना की ओर से जारी किए गए एक बयान में कहा गया है कि नौसेना के विशेष %बोट स्क्वाड्रन% के एक वरिष्ठ नाविक को भारतीय नौका के आक्रामक व्यवहार और नाव के जब्त करने का विरोध करने दौरान गंभीर चोटें आईं। इसमें आगे कहा गया, वरिष्ठ नाविक को जाफना के टीचिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दुर्भाग्यवश उनकी मृत्यु हो गई।

श्रीलंकाई नौसेना ने बताया कि सोमवार को दस भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया और उनकी मछली पकड़ने वाली नौका को जब्त कर लिया गया। मछली पकड़ने वाली नौका को कांकेसंतुराई बंदरगाह पर लाया गया और मछुआरों को कानूनी कार्रवाई के लिए मैलाडी मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया गया। नौसेना ने बताया कि जाफना मजिस्ट्रेट ने मृतक नाविक का पोस्टमार्टम करवाया और जांच में पता चला कि नाविक की मौत एक दुर्घटना थी जो रीढ़ की हड्डी में चोट लगने के कारण हुई थी। जाफना के मछुआरे उत्तर-पश्चिमी जिले कुरुनेगला में 40 वर्षीय नाविक के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक विवादास्पद मुद्दा रहा है। एक बार तो श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों ने पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी की और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया। पाक जलडमरूमध्य, तमिलनाडु को श्रीलंका से अलग करने वाली एक पतली जल-पट्टी है, जो दोनों देशों के मछुआरों के लिए मछली पकड़ने का एक मुख्य क्षेत्र है। श्रीलंकाई नौसेना ने बताया कि उसने इस वर्ष अब तक देश के जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में 200 से अधिक भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है तथा 27 मछली पकड़ने वाले जहाज (ट्रॉलर) जब्त किए हैं। नौसेना ने साल 2023 में श्रीलंकाई जलक्षेत्र में कथित अवैध शिकार के लिए 35 जहाजों के साथ 240 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था।

अरुंधति रॉय 'निर्भीक लेखन के लिए ब्रिटेन के पेन पिंटर पुरस्कार से सम्मानित

लंदन- बुकर पुरस्कार से सम्मानित अरुंधति रॉय को निर्भीक और मुखर लेखन के लिए बृहस्पतिवार को ब्रिटेन के प्रतिष्ठित पेन पिंटर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रॉय 14 साल पहले कश्मीर के बारे में दिए गए अपने बयानों के लिए फिलहाल मुकदमे के खतरे का सामना कर रही हैं। साल 2009 में इंग्लिश पेन नामक चैरिटी द्वारा स्थापित यह पुरस्कार नोबेल पुरस्कार विजेता नाटककार हेरोल्ड पिंटर की स्मृति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए दिया जाता है।

रॉय (62) ने इस वर्ष की विजेता घोषित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, मुझे पेन पिंटर पुरस्कार स्वीकार करते हुए बहुत खुशी हो रही है। काश हेरोल्ड पिंटर आज हमारे बीच होते और दुनिया में हो रहे समझ से परे घटनाक्रमों के बारे में लिखते। चूंकि वह नहीं हैं, इसलिए हममें से कुछ लोगों को उनका स्थान लेने की कोशिश करनी चाहिए। इस साल के निर्णायक मंडल ने पुरस्कार के लिए रॉय के नाम का चयन किया, जिसमें इंग्लिश पेन के अध्यक्ष रुथ बोर्थविक, अभिनेता व कार्यकर्ता खालिद अब्दुल्ला और लेखक व संगीतकार रोजर रॉबिन्सन शामिल हैं।

ब्रिटिश लाइब्रेरी की सह-मेजबानी में आयोजित

समारोह में 10 अक्टूबर को रॉय को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा, जहां वह भाषण भी देंगी। बोर्थविक ने कहा, रॉय बौद्धिक और सुंदर तरीके से अन्याय की महत्वपूर्ण कहानियां बयां करती हैं। वह वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय विचारक हैं और उनकी शक्तिशाली आवाज को दबाया नहीं जा सकता। अब्दुल्ला ने कहा, अरुंधति रॉय स्वतंत्रता और न्याय की एक उवल आवाज हैं, जिनके शब्द लगभग 30 वर्षों से अत्यंत स्पष्टता व दृढ़ संकल्प के साथ सामने आ रहे हैं।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू पर काला जादू करने की साजिश!

आरोप में दो मंत्री गिरफ्तार

माले: मालदीव पुलिस ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पर काला जादू करने के आरोप में दो मंत्रियों को गिरफ्तार किया है। स्थानीय मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

स्थानीय मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि पर्यावरण मंत्रालय में राज्य मंत्री शमनाज सलीम, शमनाज के पूर्व पति एवं राष्ट्रपति कार्यालय में मंत्री के रूप में कार्यरत एडम रमीज के अलावा दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, पुलिस ने काले जादू के कारणों या कथित प्रदर्शन के बारे में कोई भी जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया।

न्यूज पोर्टल 'सन डॉट एमवी की रिपोर्ट के मुताबिक, ''शमनाज को रविवार को दो अन्य व्यक्तियों के साथ गिरफ्तार किया गया था। तीनों को सात दिनों की हिरासत में भेज दिया गया है। पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार बुधवार को उन्हें उनके पद से निलंबित कर दिया गया था।

एडम रमीज को भी बृहस्पतिवार को निलंबित कर दिया गया। संयोगवश शमनाज और रमीज दोनों ने राष्ट्रपति मुइज्जू के साथ माले सिटी परिषद के सदस्य के रूप में काम किया है, जब वे शहर के महापौर के रूप में कार्यरत थे।

इमरान खान को कोर्ट में याद आए केजरीवाल, बोले-भारत से ले लो सीख

इंटरनेशनल डेस्क: पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान कथिततौर पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्रशंसकों में से एक माने जाते हैं। भ्रष्टाचार के एक मामले में जेल में बंद इमरान खान भारत और अरविंद केजरीवाल से इतने प्रभावित हैं कि उन्होंने पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट में भी केजरीवाल का नाम ले लिया लेकिन उनकी कोई भी कोशिश काम नहीं आई और आखिरकार उनकी मांग भी अदालत ने खारिज कर दी।

दरअसल, इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीवी को गैर कानूनी शादी करने के जुर्म में 7 साल की सजा सुनाई गई है। बुशरा बीवी की पहले पति खावर फरीद मानेका ने रावलपिंडी कोर्ट में अर्जी लगाई थी और दावा किया था कि इमरान से रिश्ते के वक्त

बुशरा का इद्दत का समय चल रहा था ऐसे में वे दूसरे किसी मर्द से शादी नहीं कर सकतीं। लेकिन इमरान ने इसी बीच निकाह किया जो पाकिस्तान के कानून के मुताबिक अपराध की श्रेणी में आता। इद्दत इंतजार की अवधि है जब किसी महिला का तलाक हो जाता है, तो वह 4 महीने तक इंतजार करती है। इस बीच वह किसी मर्द से रिश्ता नहीं बना सकती। इसका मकसद ये पता करना होता है कि कहीं महिला पहले पति से प्रेग्नेंट तो नहीं है लेकिन इमरान खान ने इंतजार नहीं किया और इद्दत के बीच ही शादी कर ली।

मामला कोर्ट पहुंचा, तो दोनों पर आरोप सच साबित हो गए इसके बाद अदालत ने इमरान खान और उनकी पत्नी दोनों को दोषी ठहराते हुए 7 साल की सजा सुनाई और दोनों पर 5-5 लाख का जुर्माना भी लगाया। इमरान खान पिछले महीने एक मामले में सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए थे तब उन्होंने अपने साथ दुर्व्यवहार की शिकायत अदालत से की थी। इस दौरान इमरान ने भारत से सीख लेने की दलील भी दी थी। इमरान ने कोर्ट में कहा था कि भारत में लोकसभा चुनाव के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को वहां की सुप्रीम कोर्ट ने जमानत पर रिहा कर दिया, ताकि वे अपनी पार्टी के लिए चुनाव प्रचार कर सकें, लेकिन हमें (इमरान खान) पाकिस्तान में अत्याचार का सामना करना पड़ रहा है। हमें भारत से, वहां की अदालतों से कुछ सीखना चाहिए, यहां अघोषित मार्शल लॉ लगा हुआ है।

चीन के लापता रहे पूर्व रक्षा मंत्री कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित

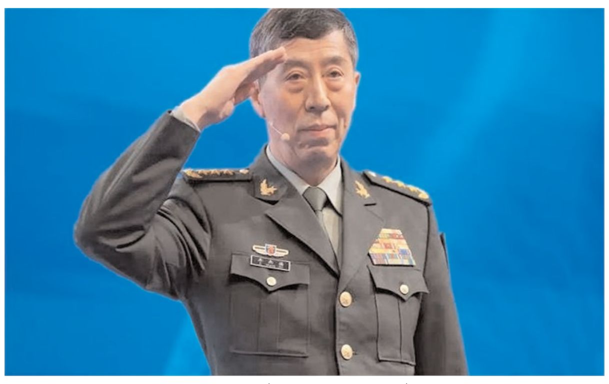

बीजिंग: चीन का शीजिनपिंग सरकार में चल रही आंतरिक कलह जग जाहिर हो चुकी है। चीन के पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू को भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोपों को लेकर सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ% ने बृहस्पतिवार को यह खबर दी। ली लगभग दो महीने तक सार्वजनिक रूप से लापता रहे थे, जिसके बाद अक्टूबर 2023 में उन्हें रक्षा मंत्री के पद से हटा दिया गया था। शांगफू पर भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोप में जांच चल रही है। कम्युनिस्ट पार्टी से भ्रष्टाचार समेत कई अन्य गंभीर आरोपों के चलते उन्हें निष्कासित किया है। माना जा रहा है कि ली शांगफू पर मुकदमा चलेगा और उन्हें आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। चीन के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि ली ने सैन्य और पार्टी अनुशासन का उल्लंघन किया है।उन्होंने रिश्वत लेकर और पक्षपात करके खुद को फायदा पहुंचाने की कोशिश की। मंत्रालय ने कहा कि ली शांगफू ने खुद को समृद्ध बनाने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया है।

मई के बाद पहली बार 68 बीमार और घायल बच्चों को उपचार के लिए गाजा से बाहर भेजा गया : अधिकारी

नेशनल डेस्क - इजराइली अधिकारियों ने कहा कि गाजा पट्टी का एकमात्र मार्ग मई में बंद किए जाने के बाद पहली बार 68 बीमार तथा घायल बच्चों और उनके सहचरों को उपचार के लिए गाजा पट्टी से मिस्र जाने की अनुमति दी गई है। फलस्तीनी नागरिक से जुड़े मामलों के लिए जिम्मेदार इजराइली सैन्य निकाय 'कॉर्डिनेटर ऑफ गर्वनमेंट एक्टिविटिज इन द टेरेटरीज% (सीओजीएटी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह काम अमेरिका, मिस्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के अधिकारियों के समन्वय से किया गया।

बच्चों और उनके साथियों को केरेम शालोम सीमा मार्ग से गाजा पट्टी से निकाला गया और मरीजों को उपचार के लिए मिस्र और

अन्य देशों में भेजा गया है। लगभग नौ महीने से जारी इजराइल-हमास संघर्ष ने गाजा के स्वास्थ्य क्षेत्र को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है तथा अधिकांश अस्पतालों को बंद करना पड़ा है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि ऐसे हजारों लोग है जिन्हें उपचार के लिए विदेश भेजे जाने की जरूरत है, जिनमें सैकड़ों ऐसे में जिन्हें तत्काल इसकी जरूरत है।

ब्रिटेन का सबसे खतरनाक सीरियल किलर स्टील के 17 दरवाजों में कैद, ज़ुर्म ऐसे कि मरने तक काटेगा जेल

इंटरनेशनल न्यूज- ब्रिटेन का सबसे खतरनाक सीरियल किलर करार दिया गया एक व्यक्ति, जिसने एकान्त कारावास में सबसे अधिक दिन बिताने का विश्व रिकॉर्ड बनाया, वह मरने तक एक भूमिगत कोठरी में बंद रहेगा। रॉबर्ट मौडस्ले 1974 से जेल में हैं। वहीं, जब लोगों को उनके गुनाहों के बारे में पता चलता है, तो हर कोई हैरान हो जाता है, ये नहीं तय कर पाते कि ये शख्स असल में अपराधी है, या फिर कोई 'मसीहा' है! रॉबर्ट मौडस्ले 50 सालों से जेल में बंद है। उसे 17 स्टील के दरवाजों के पीछे कैद किया गया है। जानकारी के अनुसार, रॉबर्ट अपने शुरुआती साल मर्सीसाइड के कैथोलिक अनाथालय नाज़रेथ हाउस में बिताए। जब ??वह आठ साल का था, तो उनके माता-पिता उन्हें और उनके भाई-बहनों को घर ले जाने आए और उन्हें कई सालों तक हिंसक दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। 16 साल की उम्र में ही मौडस्ले घर से भाग गया, लेकिन जल्द ही वह नशीली दवाओं के सेवन के चक्रव्यूह में फंस गया और किराए के लड़के के रूप में काम करके अपनी लत को पूरा किया। रॉबर्ट मॉडस्ले को वेकफील्ड जेल में बंद है, वो 18 फीट × 15 फीट का सेल है और उस तक पहुंचने के लिए 17 स्टील के दरवाजों से होकर गुजरना पड़ता है। ये जेल बुलेट प्रूफ भी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इंसाइड वेकफील्ड प्रिज़न नाम की एक किताब में लेखक जॉनेथन लेवी और एमा फ्रेंच ने रॉबर्ट के सेल के बारे में ज्यादा जानकारी दी है। उसके सेल में टेबल-चेयर कार्डबोर्ड से बने हैं और टॉयलेट-सिंक भी जमीन से बोल्ट के जरिए फिक्स किया गया है। सेल के नीचे एक छोटा स्लॉट है, जिसकी मदद से उसे खाना दिया जाता है। दरअसल, 1974 में 21 साल की उम्र में रॉबर्ट ने जॉन फैरेल (30 वर्ष) नाम के एक अपराधी की हत्या की थी, जो बच्चों का यौन शोषण करता था। 1977 में रॉबर्ट ने एक और साथी कैदी के साथ मिलकर डेविड फ्रांसिस नाम के एक और अपराधी की हत्या की। वो भी बच्चों से यौन शोषण के अपराध में जेल में बंद था। उसने बहुत ही बेरहमी से उसका खून किया था। इसके बाद रॉबर्ट को यॉर्कशायर के वेकफील्ड जेल में डाला गया। लेकिन वहां पर भी 1 साल बाद उसने 29 जुलाई 1978 को उसने सैलनी डारवुड नाम के एक अपराधी की हत्या की, जिसने अपनी बीवी का खून किया था। रॉबर्ट यहीं नहीं रुका। उसने एक और अपराधी बिल रॉबर्ट्स को भी मौत के घाट उतारा, जो 7 साल की बच्ची से रेप के मामले में कैद था। दोनों की हत्या करने के बाद वो बड़े आराम से जेल के गार्ड्स के पास गया और उनसे बोला कि डिनर के लिए दो कैदी आज कम रहेंगे। इतनी संख्या में लोगों की हत्या करने के बाद रॉबर्ट को अन्य कैदियों के साथ रखना असुरक्षित माना गया। ऐसे में उसके लिए खास कांच का जेल बनाना शुरू किया गया और 1983 में जब वो बनकर तैयार हुआ, तो उसे उस जेल में शिफ्ट कर दिया गया। एक बार अपने जेल में बंद रहने के अनुभव को उसने बोला था कि उसे ऐसा लगता है जैसे वो नरक में बंद है।

जम्मू से रवाना हुआ पहला जत्था कल बाबा बर्फानी के करेंगे दर्शन

जम्मू- जम्मू-कश्मीर में पवित्र अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का पहला जत्था शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भगवती नगर यात्री निवास आधार शिविर से रवाना हुआ। इस मौके पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर जत्थे को रवाना किया। जत्थे में शामिल श्रद्धालु कल अमरनाथ पहुंच कर बाबा बर्फानी के दर्शन करेंगे।

जानकारी के अनुसार अमरनाथ श्रद्धालुओं के पहला जत्था आज सुबह जम्मू के यात्री निवास से रवाना हुआ। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने यात्रियों की सुचारू यात्रा के लिए व्यापक व्यवस्था की है। इस मौके पर जम्मू-कश्मीर पुलिस, सुरक्षाबल और भारतीय सेना श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह चौकस है। शांतिपूर्ण यात्रा के लिए एक बहु-स्तरीय सुरक्षा ग्रिड बनाया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग, गुफा मार्गों और आधार शिविरों पर सैनिकों की पर्याप्त तैनाती के अलावा, निगरानी बनाए रखने के लिए तकनीक का अधिकतम उपयोग भी किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569